KPT
KUMAWAT PRAGATI TRUST

मासिक
कुमावत इंडिया
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com

वर्ष-4 | अंक-7 फरवरी-2021 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :

1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : 2806, खड़गटा भवन,गणेश जी मंदिर के पास, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

मुख्य संरक्षक	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	मो. 9414994006
अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	मो. 9414554322
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	मो. 9887440666
सचिव	:	विनोद बालोदिया	मो. 9829059312
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	मो. 9549656438
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	मो. 9829056063
		हेमचन्द खड़गटा	मो. 9351682036
		मनोज सिरस्वा	मो. 9414043127
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	मो. 9414074376
		जयकिशन सोकिल	मो. 9829125428
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	मो. 9414263429

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, श्रीमती भारती वर्मा सह-सम्पादक 9414810584, राजेन्द्र जूनवाल 9828139099, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, चन्द्र प्रकाश अजमेरा 9928088815, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, रोहित कुमावत (मोरवाल) 9887097092, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496 , चेतन बालोदिया 9414052736 एवं श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** दयाशंकर रावड़िया **मो. 9414391034 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493 किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645** **प्रोसेसिंग व मुद्रक :** राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-600

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर सूचित अवश्य करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक हेमचन्द कुमावत (खड़गटा) द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं 2806, खड़गटा भवन, गणेश जी मंदिर के पास, मोती डूंगरी, जयपुर से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

गृहस्थ आश्रम के रूप में हमारे ऋषियों ने परिवार-व्यवस्था स्थापित की है। घर में हमारे बुजुर्गों का सानिध्य, संरक्षण एवं मार्गदर्शन सहज उपलब्ध होता है। संपन्न देशों में भौतिक प्रगति के बावजूद वहां की सामाजिक स्थिति विकट है- परिवार टूट चुके हैं, बुजुर्गों से भरे-पूरे परिवार दुर्लभ हो चुके हैं, बुजुर्ग अकेले रहने के लिए अभिशप्त हैं व उनकी देखभाल हेतु कोई परिवारजन नहीं है अर्थात उनके अंतिम समय में अपनों का साथ नही होने से वे सामाजिक जीवन से दूर व दु:खी रहते है। उधर बच्चों को बुजुर्गों की छत्रछाया नहीं मिल पाती जिनकी गोद में खेलता- कूदता विकसित होता बचपन न जाने कितनी बातें खेल खेल में दादा-दादी व नाना-नानी के सहारे सीख जाता था।

संयुक्त परिवार व्यवस्था सद्गुणों को सीखने, अभ्यास एवं विकास की प्राथमिक पाठशाला है। इसके अभाव में एकल परिवारों में शिशुओं को नौकर - नौकरानियों के सहारे छोड़ना पड़ता है। ऐसे में बच्चों में उन सांस्कृतिक एवं भावनात्मक गुणों की आशा नहीं की जा सकती है जो परिवार की बुजुर्ग अभिभावकों के सानिध्य में सहज ही विकसित हो जाते थे।

आज के युवक-युवतियां अपने परंपरागत व्यापार धंधों, उधोग, खेती, कारीगरी, हस्तशिल्प व स्थानीय नौकरियों को छोड़कर अति महत्वाकांक्षा, अच्छे आर्थिक पैकेज व बड़े शहरों की आकर्षक जीवन शैली के कारण घर से बाहर निकल जाते हैं। उनमें से अधिकांश शहरी व्यवस्था में समायोजित न होने के कारण चिंतित व तनाव में रहते हैं। यदि वे अपनी इच्छाओं को कम रखे तो ऐसी स्थिति नहीं आएगी।

जिन्हें अनावश्यक चाहत नहीं होती है उनके पास जो है वे उसी में सादगी से संतुष्ट व प्रसन्न रहते हैं। वास्तव में सादगी केवल खान-पान या सरल जीवन शैली नहीं है बल्कि यह एक सोच व नजरिया है। नजरिया सीधा-साधा होगा तो झूठ बोलने अथवा छुपाने की जरूरत नहीं होगी। आज हमारे देश में लोगों ने सादगी को भुलाकर प्रकृति के साथ सामंजस्य को भी भुला दिया है। उसका परिणाम हम जीवन के सभी क्षेत्रों में देख सकते हैं। बच्चे वही शिक्षा पा रहें हैं जो आज के बाजार के दवाब के अनुरूप है। वर्तमान शिक्षा में मौलिक गुणों व संस्कारों को अभाव है इससे लोग स्वार्थी व बनावटी होते जा रहे हैं, वे अंतकरण की नहीं सुनते तथा अपने मूल व्यक्तित्व पर झूठ का आवरण डाल रहे है। इस व्यवस्था में बच्चे बड़े होकर जटिल तथा मनोग्रंथियों से युक्त समाज ही बनाएंगे।

वर्तमान में हमारे परिवार व समाज की सरलता व सादगी विलुप्त-सी हो गई है तथा जटिलता व चकाचौंध की भरमार हो गई है । इससे आपसी संबंधों, पारिवारिक कार्यक्रमों, त्योहारों और शादी-ब्याह में बेतहासा खर्च होने लग गया है। इससे परिवार कर्ज में डूबते जा रहे हैं। चिंता की बात तो यह है कि देखा-देखी का यह नशा दूसरे परिवारों को भी चपेट में ले रहा हैं। परिणामस्वरूप उन पर जो भी बीतती है वे स्वयं ही महसूस कर सकते हैं। हमें अपनी सीमाओं को ध्यान में रखते हुए आयोजनों में खर्च करना चाहिए। सादगी जीवन के साथ गृहस्थी की जीवन नय्या को पार करना चाहिए क्योंकि गृहस्थ जीवन ही व्यक्ति के आंतरिक और बाह्य का विकास सुनिश्चित करता है। महर्षि व्यास के अनुसार 'गृहस्थ्येव हिं धर्माणां सर्वेषां मूल मुच्यते' अर्थात गृहस्थाश्रम ही सभी धर्मों का आधार है।

अत: आग्रह है कि परिवार संस्कति में ही बुजुर्गों व बच्चों का हित है इसे हर हाल में बनाये रखे।

-राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

यहां पर यह देखें

सम्पादकीय	3	130 साल की विश्व की सबसे बुजुर्ग महिला	12
विज्ञापन : बधाई	4	धीरे-धीरे खत्म होता: मातृत्व (अंकिता कुमावत एक पहचान)	13
कुमावत गौरव : सोहन लाल अजमेरा सांगानेर	5	बधाई : चयन, नियुक्ति, सीए बनने पर	15
नवोदित कुमावत प्रतिभा : हेमन्त कुमावत	5	श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए 21लाख रुपए दिए	16
मधु कुमावत ने उठाया खिलाड़ी की नेपाल यात्रा का खर्च	5	नावां सिटी : पड़पौत्र के जन्म पर चिकित्सा सामग्री दी	16
विमोचन : हेमचन्द कल से आज	6	बाल निवास जयपुर में मनाया गणतंत्र दिवस	16
समाज की ओर से कुम्भ में चलेगा भण्डारा	6	सारथी ग्रुप ने लड़की की शादी में मदद की	17
10वीं छात्रा ने किया इनोवेशन	6	सावेर में रक्तदान शिवर	18
जगदीश कुमावत हत्याकाण्ड के आरोपी गिरफ्तार	7	रक्तवीर ने रक्तदान कर 20 घण्टे के बच्चे को जीवनदान दिया	18
गोपी कुमावत ने गांधीगिरी से कराया गिरफ्तार	7	8वीं सदी से स्थापत्य, शिल्प कला व मूर्तिकला	19
बॉडी बिल्डिंग में कपासन के सिद्धार्थ ने कांस्य पदक जीता	7	डॉ. आशा कुमावत	20
सुरेश कुमावत ने जीता गोल्ड मेडल	7	आधुनिकता या महिला सशक्तिकरण ?	20
पवन कुमावत वेटलिफ्टर सम्मानित	7	दाल बाटी चूरमा : सैनिकों की भूख मिटाने वाली 1300 साल	
शिवरात्रि पर्व	8	पुरानी बाटी, जो आज राजस्थानी थाली की शान है	21
चित्तौड़गढ़ में कुमावत विकास एवं सेवा संस्थान के प्रयासों		युवा ही समाज का भविष्य, पर संस्कार न भूलें	22
से जमीन आवंटित	8	भ्रम जो कोरोना ने तोड़े, सबक जो कोरोना ने दिए	23
भवन निर्माण समिति, मालवीय नगर जयपुर की आस सभा सम्पन्न	8	विशिष्ठ संरक्षक	24
आशा कुमावत ने फिर जीते 2 गोल्ड मेडल	9	विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
बिना पलक झपकाने का रिकॉर्ड बनाया	9	'कुमावत इंडिया' पत्रिकानहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें	26
कीटनाशी रसायनों का सुरक्षित उपयोग के सुझाव	9	राजसिंह कुमावत रेलवे पुरस्कत	27
जो पिए लस्सी वो जिए अस्सी	10	मौसम मेरावण्डिया सम्मानित	27
अनूठी पहल : टीम चेतन धुंधारिया द्वारा रा.बा.उ.मा.		श्रद्धांजलि	28
विद्यालय, जाहोता, जयपुर को वाई-फाई किये जाने की घोषणा	11	श्रद्धांजलि	29
जन्मदिन पर पौधे लगाकर दिया पर्यावरण बचाने का संदेश	11	विज्ञापन : हेमचंद ड़गटा	30
जयपुरनामा	12		

आशीर्वाददाता

स्व. श्री गुलाबचन्द एवं स्व. लादी देवी

(दादा-दादी)

बधाई

डॉ. देवांशी कुमावत

द्वारा निम्स विश्वविद्यालय, जयपुर से

BDS करने पर **हार्दिक बधाई**

शुभेच्छु

शारदा कुमावत-रूपसिंह कुमावत (माता-पिता),

उमेश चन्द कुमावत-उर्मिला कुमावत (चाचा-चाची)

विमला-श्री विजय कुमार , उमा-श्री सुशील आसीवाल (बुआ-पुफा)

गर्वित (भ्राता), मिष्ठी, हर्षिता (बहिन)

रूपन आर्ट्स

विज्ञापन

ई-544, लालकोठी स्कीम, जयपुर-302015, मो. : 9314502407, 9314502964

सोहन लाल अजमेरा सांगानेर

आपका जन्म सांगानेर में 15.1.1948 को हुआ। सांगानेर में आपने समाज में सर्वप्रथम 1970 में M.A. तक शिक्षा प्राप्त करने वाले प्रथम व्यक्ति हैं, इसके बाद आपने L.L.B. तक शिक्षा ग्रहण की। केन्द्रीय सरकार के P&T विभाग से ऑडिटर के पद पर नौकरी शुरु करते हुए विभिन्न पदों पर रहते हुए 2008 में सेवानिवृत्त हुए।

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा में 1986 से ही विभिन्न पदों पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी में कार्य किया। वर्तमान समय में सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा में राष्ट्रीय पदाधिकारी हैं। सन् 2014 में अजमेरा परिवार की सम्पूर्ण राजस्थान क्षेत्र में जनगणना करके एक परिचय पत्रिका के रूप में सराहनीय कार्य किया है।

आपकी पत्नी श्रीमती आशा देवी भी प्रारम्भ से सही सामाजिक कार्यों में भाग लेती रही थीं। कुमावत क्षत्रिय विकास समिति (रजि.) सांगानेर, जयपुर में अध्यक्ष पद पर रही। वर्ष 2001 में समाज के विशेष आग्रह पर नगर-निगम जयपुर में पार्षद पद पर निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा व द्वितीय स्थान पर रहीं। वर्ष 2003 में भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा में सांगानेर क्षेत्र से अध्यक्ष पद पर चुनी गई।

आपकी पुत्र वधु श्रीमती पूनम अजमेरा ने M.A., LLD तक शिक्षा ग्रहण करके जयसिंहपुरा, भांकरोटा में गणपति स्टोन इण्डस्ट्रीज नाम से स्टोन आर्टिकल निर्माण का व्यवसाय कर रही हैं। उन्होंने 2017 के स्टोन मार्ट में सराहनीय कार्य के लिए प्रशंसा पत्र व महिला उद्यमी के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

आप शुरू से ही आर.एस.एस. व भारतीय जनता पार्टी से जुड़कर विभिन्न राजनैतिक गतिविधियों में भाग लेती रही हैं।

आपके सुपुत्र अजय कुमार अजमेरा भी गणपति स्टोन इन्डस्ट्रीज जो जयसिपुरा भांकरोटा जयपुर में सिति है अपना व्यवसाय कर रहे हैं। आपने M.A. तक शिक्षा ग्रहण की है।

आपकी तीन पुत्रिया हैं जो सभी राजकीय सेवा में हैं। सभी ने M.A. तक शिक्षा ग्रहण की है।

नवोदित कुमावत प्रतिभा : हेमन्त कुमावत

कवि हेमंत कुमावत राजस्थान राज्य के अलवर जिला स्थित गांव सिटाहेड़ा के मूल निवासी हैं। वर्तमान में जयपुर रहते हैं। इनके पिता श्री जगदीश प्रसाद जी किसान और माता श्रीमती दुर्गावती जी गृहणी हैं। कवि हेमंत ने इंजीनियरिंग में स्नातक (बी. टेक. इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन) ऑनर्स किया है। वर्तमान में राजकीय सेवा जयपुर मेट्रो रेलवे में स्टेशन नियंत्रक के पद पर कार्यरत हैं।

इसके साथ ही आप कविता लेखन में विशेष रूचि रखते हैं और कवि सम्मेलन मंचों पर ओजस्वी कवि के रूप में सक्रीय हैं। देशभर में अनेक जगह कवि सम्मलेनों में काव्य पाठ कर चुके हैं। अनेक टी.वी. चैनल पर आपकी कविताओं का प्रसारण हुआ है। आपकी कविताओं को भिन्न भिन्न मंचों द्वारा पुरुस्कृत किया जा चुका हैं। आपका खंड काव्य 'पन्नाधाय' लगभग पूर्णता की ओर अग्रसर है। बहुत ही अल्प समय में आपने साहित्य में नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। इंजीनियरिंग क्षेत्र से होते हुए भी आपकी हिन्दी साहित्य पर अच्छी पकड़ है। आपकी रचनाएं मणिकर्णिका, भगवा, अखंड भारत, मुफ्तखोरी श्रोताओं में काफी प्रचलित हैं। आपके द्वारा रचित छंद विशेष लोकप्रिय हैं। जिसे कृपयापृष्ठ 22 पर देखें।

मधु कुमावत ने उठाया खिलाड़ी की नेपाल यात्रा का खर्च

जालुण्ड निवासी फुटबाल की अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी ममता वर्मा को प्रतियोगिता में भाग लेने नेपाल जाना था। ममता का परिवार मजदूरी करता है व आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। **भाजपा प्रदेश महामंत्री व 'बेटी पढ़ाओं बेटी बचाओ' की प्रदेश संयोजक मधु कुमावत** को जब यह ज्ञात हुआ उसने खिलाड़ी की पीड़ा को समझा तथा उसके गांव पहुंचकर नेपाल जाने का खर्च नकद सोंपकर सराहनीय कार्य किया। मधु कुमावत की इस पहल की सभी ओर से प्रशंसा हो रही है।

विमोचन हेमचन्द कल से आज

ट्रस्ट के फाउण्डर अध्यक्ष कर्मवीर एवं वरिष्ठ समाज सेवी श्री हेमचन्द खड़गटा द्वारा लिखित सम्पादित प्रकाशित 'हेमचन्द कल से आज' का विमोचन 21 फरवरी, 2021 को प्रात: 11.15 बजे दादू जी की बगीची झोटवाड़ा जयपुर में भैराणा धाम के **महंत श्रीश्री 1008 स्वामी श्री रामानन्द जी मोरवाल** के कर्मकमलों द्वारा किया गया। समारोह की **अध्यक्षता समाजसेवी दानदाता श्री नन्दकिशोर जी किरोड़ीवाल** ने की। सर्वप्रथम दादू जी महाराज के दीप और अगरबत्ती प्रज्ज्वलित कर स्वामीजी का अभिनन्दन किया गया। तत्पश्चात् चेतन धुंधारिया टीम द्वारा हेमचन्द खड़गटा का स्वागत कर गणेशजी की प्रतिमा भेंट की गई।

खड़गटा जी द्वारा लिखित पुस्तक उनके 76 वर्ष के अनुभव, स्वयं की जीवन यात्रा के साथ-साथ कई सामाजिक संस्थाओं में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंत्री एवं ट्रस्टी रहे हैं। इन संस्थाओं के बारे में विस्तृत प्रकाश डाला है। संस्थाओं के बारे में अन्दर की बातें बताई जो आज तक किसी को भी मालूम नहीं थी। आपके विचारों से लगता है कि कुछ समाजबंधु समाज सेवा के नाम पर राजनीति करते हैं। समाज में काफी वरिष्ठ कर्मवीरों, समाजसेवियों एवं दानदाताओं के करीब 200-250 चित्र भी प्रकाशित किए गए हैं। ऐसा प्रकाशन राजस्थान में शायद पहला ही होगा।

खड़गटा जी ने बताया कि भारत के सभी रजिस्टर संस्थाओं को यह पुस्तक नि:शुल्क भेजी जाएगी तथा जो समाज बंधु लेना चाहे उन्हें 125 रुपए ट्रस्ट की सेवार्थ देना होगा। इसके लिए ट्रस्ट के सचिव श्री के.एम. कुमावत मो. 9461618994, उपाध्यक्ष चेतन धुंधारिया मो. 9829017584, कोषाध्यक्ष श्री लालचन्द धुंधारिया मो. 9413335998 पर या इनके निवास पर सम्पर्क कर सकते हैं।

– **चेतन धुंधारिया,** उपाध्यक्ष

समाज की ओर से कुम्भ में चलेगा भण्डारा

बड़े हर्ष का विषय है हरिद्वार कुम्भ में 1 अप्रेल, 2021 से 30 अप्रेल, 2021 के दौरान श्री रत्नलाल सर्वा, रतलाम वाले तथा उनके साथियों द्वारा सरकार से जमीन लेकर 30 दिन तक कुमावत समाज का कैम्प चलायेंगे। जिसमें ठहरने व खाने की नि:शुल्क व्यवस्था रखी गई है। इसमें एक दिवस के भण्डारे के लिए 25 हजार रुपये निर्धारित हैं। समाज के भामाशाह 10 हजार रुपए अग्रिम जमा कराकर अपना नाम पंजीकृत करा सकते हैं। **25 अप्रेल 2021 का भण्डारा 'कुमावत इण्डिया' पत्रिका परिवार के द्वारा रखा गया है।** उस दिन **श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल कोषाध्यक्ष (मो. 9549656438, 9414056438)** एवं साथी वहां समाज की सेवा में उपस्थित रहेंगे। अन्य जानकारी के लिए **कैम्प संचालक श्री रतनलाल सर्वा से मो. 9826040516 पर सम्पर्क किया जा सकता है।**

10वीं की छात्रा ने किया इनोवेशन

मोरिगसर, झुंझुनू की 10वीं की छात्रा **मोनिका कुमावत** ने कंटीले पेड़-पौधों से फल तोड़ने के लिए यंत्र का आविष्कार किया है। यह आविष्कार, **'इंस्पायर अवार्ड'** के लिए मानक हुआ है।

इसके लिए धारदार ब्लेड, साइकिल के ब्रेक वायर जैसे साधारण पार्ट्स ही है उपयोग में लिए गए हैं।

घनश्याम मामोड़िया

हमारे प्रिय समाजसेवी श्री हेमचन्द खड़गटा
द्वारा लिखित 'हेमचन्द कल से आज'
के विमोचन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

O.K. PAINT HOUSE

मोहनलाल कुमावत

340, Digamber Jain Dharamshala Building, M.I. Road, Jaipur- 01 Resi.: D-287 Kardhani scheme kalwar road Jaipur-12

जगदीश कुमावत हत्याकाण्ड के आरोपी गिरफ्तार

गाडरी खेड़ा में सर्व समाज की मीटिंग आयोजित, पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायतार्थ सर्व समाज द्वारा तेरह लाख रुपए की सहायता दी गई। करेड़ा थाना सर्कल भीलवाड़ा के सबलपुरा गांव से 11 जनवरी शाम को गुजरात में भंगार व्यवसायी एवं सबलपुरा निवासी जगदीश पुत्र मेघराज कुमावत को कुछ लोगों ने घर से अपहरण करके स्कॉर्पियों में ले गये व पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने कार्यवाही करते हुए अलग-अलग टीमें गठित कर 10 आरोपियों की गिरफ्तारी की।

सर्व समाज द्वारा पुलिस अधिकारियों का सम्मान : जगदीश हत्याकांड मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद गाडरी खेड़ा जेमंत माता मंदिर प्रांगण में सर्व समाज की विशेष मीटिंग आयोजित हुई। समाज सेवी गजेन्द्र सिंह सबलपुरा ने बताया मीटिंग में पुलिस प्रशासन द्वारा मामले में त्वरित कार्यवाही कर आरोपियों को गिरफ्तार करने पर पुलिस अधिकारियों का सम्मान किया गया।

गोपी कुमावत ने गांधीगिरी से कराया गिरफ्तार

फरवरी 2021 को साँवेर निवासी गोपी कुमावत अपनी चाय की दुकान पर पोहे बनाकर रखें थे। उस क्षेत्र के एक दबंग यादव की भैंस ने मुँह मारकर पोहे को खराब कर दिया। इस के बाद गोपी कुमावत के साथ मारपीट कर दबंग ने उसका एक हाथ तोड़ दिया। साँवेर थाने पर प्रकरण दर्ज होने के बावजूद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया। इस घटना से कुमावत समाज में बहुत रोष व्याप्त था। दूसरे दिन गोपी कुमावत के साथ कुमावत समाज के लोग थाने के सामने भूख हड़ताल पर बैठ गए। साँवेर थाना टी आई ने समझाईश कर भूख हड़ताल समाप्त कराई व आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भिजवाया। संघटन में ही शक्ति होती है इसे साँवेर के समाज ने दिखा दिया है। समाज मे किसी के साथ जुल्म हो तो जागरूक रहकर इस तरह ही जवाब देना चाहिए।

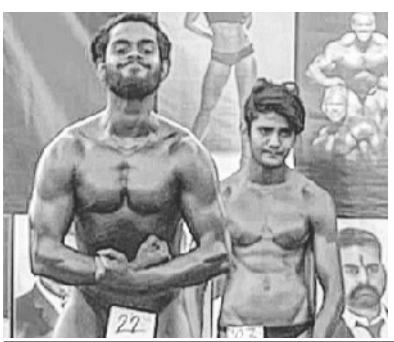

बॉडी बिल्डिंग में कपासन के सिद्धार्थ ने कांस्य पदक जीता

बॉडी बिल्डिंग में कपासन के सिद्धार्थ ने कांस्य पदक जीता। इंडियन बॉडी बिल्डिंग फैडरेशन, मुम्बई से संबंधित राजस्थान लॉयल बॉडी बिल्डिंग एवं फिटनेस सेंटर की ओर से उदयपुर में आयोजित जूनियर मिस्टर मेवाड़ एवं जूनियर मिस्टर राजस्थान प्रतियोगिता में कपासन के बॉडी बिल्डर सिद्धार्थ कुमावत ने पहली बार में 65 किलोग्राम भार वर्ग में भाग लिया। प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता। कुमावत ने इसका श्रेय परिजनों एवं कोच इरफान खान को दिया।

सुरेश कुमावत ने जीता गोल्ड मेडल

30 से 31 जनवरी 2021 सीनियर राज्य स्तरीय चेम्पियनशिप, पिलानी में सुरेश कुमावत, जयपुर ने गोल्ड मेडल जीता। बहुत बहुत बधाई।

पवन कुमावत वेटलिफ्टर सम्मानित

महाबली खली द्वारा कुरुक्षेत्र में तथा दिल्ली में केन्द्रीय मंत्री रामदास अठावले द्वारा जयपुर निवासी अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टर पवन कुमावत का सम्मान किया गया।

शिवरात्रि पर्व

हिन्दुओं के प्रमुख त्यौहारों में महाशिव रात्रि का अलग महत्व है। यह त्यौंहार फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को मनाया जाता है। इसी दिन भगवान शिव का विवाह देवी पार्वती के साथ हुआ था। सृष्टि का प्रारंभ इसी दिन से हुआ माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस दिन सृष्टि का आरम्भ अग्निलिंग (जो महादेव का विशालकाय स्वरूप है) के उदय से हुआ। भारत सहित पूरी दुनिया में महाशिवरात्रि का पावन पर्व बहुत ही उल्लास के साथ मनाया जाता है। महाशिव रात्रि की रात को मंदिरों में भजन कर शिव को प्रसन्न किया जाता है। प्रात: भगवान शिव का अभिषेक अनेकों प्रकार से किया जाता है। इसमें जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक किया जाता है। सुबह भगवान शिव के मंदिरों पर भक्तों, जवानों एवं महिलाओं का ताँता लग जाता है, जो शिवदरबार की पूजा करने के लिए जाते हैं।

शिव पुराण के अनुसार, महाशिवरात्रि पूजा में छह वस्तुओं को अवश्य शामिल करना चाहिए:

शिव लिंग का पानी, दूध और शहद के साथ अभिषेक। बेर या बेल के पत्ते जो आत्मा की शुद्धि का प्रतिनिधित्व करते हैं; सिंदूर का पेस्ट स्नान के बाद शिव लिंग को लगाया जाता है। यह पुण्य का प्रतिनिधित्व करता है; फल, जो दीर्घायु और इच्छाओं की संतुष्टि को दर्शाते हैं; जलती धूप, धन, उपज (अनाज); दीपक जो ज्ञान की प्राप्ति के लिए अनुकूल है; और पान के पत्ते जो सांसारिक सुखों के साथ संतोष अंकन करते हैं।

बारह ज्योतिर्लिंग पूजा के लिए भगवान शिव के पवित्र धार्मिक स्थल व केंद्र हैं, जो स्वयम्भू के रूप में जाने जाते हैं। जो निम्न प्रकार हैं-

1. सोमनाथ यह शिवलिंग, काठियावाड़, गुजरात।, 2. श्री शैल मल्लिकार्जुन मद्रास में कृष्णा नदी के किनारे पर्वत पर स्थापित।, 3. महाकाल, उज्जैन।, 4. ओंकारेश्वर, मध्यप्रदेश के नर्मदा तट पर।, 5. नागेश्वर गुजरात के द्वारकाधाम के निकट।, 6. बैजनाथ, बिहार।, 7. भीमाशंकर, महाराष्ट्र की भीमा नदी के किनारे।, 8. त्र्यंम्बकेश्वर, नासिक (महाराष्ट्र)।, 9. घुमेश्वर महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में एलोरा गुफा के समीप।, 10. केदारनाथ, उत्तराखण्ड।, 11. काशी विश्वनाथ, वाराणसी।, 12. रामेश्वरम्, त्रिचनापल्ली, तमिलनाडु।

चित्तौड़गढ़ में कुमावत विकास एवं सेवा संस्थान के प्रयासों से जमीन आवंटित

राज्य सरकार द्वारा श्री कुमावत विकास एवं सेवा संस्थान, चित्तौड़गढ़ को 'श्री चारभुजा कुमावत समाज छात्रावास', गांधीनगर, चित्तौड़गढ़ के निर्माण के लिए आवंटित भूखण्ड का पट्टा मय रजिस्ट्री माननीय विधायक श्री चन्द्रभान सिंह आक्या एवं पूर्व सभापति नगर परिषद, चित्तौड़गढ़, श्री सुशील शर्मा के कर कमलों द्वारा विधायक के निवास पर संस्थान के प्रतिनिधि मंडल को सौंपा गया। इस अवसर पर विधायक एवं सभापति का उपरना ओढ़ा, मुंह मीठा कर आभार व्यक्त किया गया।

इस दौरान बालचंद गेन्दर, घनश्याम खनारिया, शिवलाल अडाणिया, राजकुमार बेरा, सुरेन्द्र वोरा, किशन लाल धनेरिया, शंकरलाल ओस्तवाल, रमेश चंद्र डूंगरवाल, जयकुमार, भंवरलाल सुरलिया, नारायण लाल कडवाल, बरदी चंद दमीवाल, कैलाश चंद्र मोरवाल, गोपाल मोरवाल, उमाशंकर दोराया, प्रकाश धनेरिया, राधेश्याम डिडवाणिया, तेजपाल बंडवाल, रतनलाल जी मंडोवरा, रितेश नाहर, राजेश गैदर, मनोहर लाड़ना आदि समाजजन मौजूद थे।

भवन निर्माण समिति, मालवीय नगर जयपुर की आस सभा सम्पन्न

7 पुरवरी, 2021 को कुमावत समाज भवन, मालवीय नगर जयपुर पर कुमावत भवन निर्माण समिति मालवीय नगर, जयपुर की आम सभा श्री हरीश पारमवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इसमें समिति की गतिविधियों के अलावा भवन निर्माण को और गति देने, हॉल ही फर्श, खिड़कियों, पंखों व एयरकंडीशनर लगाने, ऊपर कमरों की फर्श खिड़किया-दरवाजे, पंखे आदि लगवाने तथा छत पर दड़ डालने पर चर्चा हुई। समिति ने इस हेतु दानदाताओं से सहयोग करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर मेरे अलावा भंवरलाल खूंखवाल (पूर्वचेयरमैन बगरू न.पा.) **पार्षद राजेश धुंधारिया**, पार्षद राजेश बालोदिया, आर्कीटेक्ट दीपक, जयराम चौधरी, गोविन्द सिंह खोवाल, रामप्रकाश बैरा, बाबूलाल सिरोहिया, बाबूलाल नीमिवाल के साथ सम्मानित समाज बंधुओ ने भाग लिया।

समाज के आर्थिक सहयोग के बिना कोई संस्था इतना बड़ा निर्माणकार्य नहीं कर सकती है। यह भवन शहर के ऐसे क्षेत्र में निर्माणाधीन है जहां प्रमुख शैक्षणिक व चिकित्सा संस्थान है। यह भवन बाहर से समाजजनों आते हैं उनके व जयपुर के समाजजनों के बहु उपयोग में आएगा। इसमें 60'×30' के दो हॉल, 30×15 के दो बड़े कक्ष एवं 13 कमरे के तीन तरफ अतिरिक्त खुला स्थान सुलभ होगा। समाजबंधुओं से अनुरोध है कि इस भवन को पूर्ण करने हेतु आर्थिक सहयोग खुलेमन से देवें।

- रमेश कुमावत (गैदर)
अध्यक्ष कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति,
मालवीय नगर, जयपुर

आशा कुमावत ने फिर जीते 2 गोल्ड मेडल

ओम फिटनेस क्लब द्वारा आयोजित जिला स्टैंथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता, फुलेरा, जयपुर में 18 फरवरी को आशा कुमावत ने स्टैंथ लिफ्टिंग में ने गोल्ड मेडल हासिल किया है आशा ने 85 वेट केटेगरी में गोल्ड मेडल हासिल किया है। आशा अपनी जीत का श्रेय अपने पिता कन्हैयालाल, माता कमला देवी व पति गिर्राज कुमावत को देती हैं। अपने कोच पवन कुमावत का भी आभार व्यक्त किया हैं । गोल्ड मेडल जीतने पर आशा कुमावत को कुमावत इंडिया की ओर से हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

बिना पलक झपकाने का रिकॉर्ड बनाया

दुनिया में विविधता के अनेक उदाहरण हैं कुछ उदाहरण प्रकृति देय हैं तो कुछ व्यक्तियों ने अपने अथक प्रयास या फिर सनक के दम पर बनाए हैं आज हम बात कर रहे हैं जयपुर निवासी श्री मनोहर कुमावत (मारवाल) पुत्र श्री राम प्रकाश कुमावत व स्व. श्रीमती गीता कुमावत की जिन्होंने हाल ही में recordsetter.com/world-record/keep-eyes-open-without-blinking/55358 पर विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

दोस्तों आप अपनी पलकें बिना झपकाए कितनी देर रह सकते हैं 2 मिनट 3 मिनट या 5 मिनट तक बचपन में यह खेल आप सभी ने खेला होगा कि कौन कितनी देर तक पलकें नहीं झुकाता ।

आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि मनोहर जी ने 5 मिनट नहीं, 30 मिनट नहीं, 45 मिनट नहीं, **बल्कि पूरे 1 घंटा 9 मिनट 30 सेकंड तक बिना पलकें झपकाए यह रिकॉर्ड बनाया है ।** आपने पिछला रिकॉर्ड जो कि एक घंटा 5 मिनट 11.46 सेकंड का था उसे तोड़ा है और वर्तमान में यह नया कीर्तिमान स्थापित किया है। आप इस रिकॉर्ड को इस साइट पर देख सकते हैं और मनोहर कुमावत के **यूट्यूब चैनल मनोहर कुमावत** पर भी देख सकते हैं ।

इन्होंने इसका प्रयास किया और अपनी एकाग्रता और ध्यान से इस अविश्वसनीय कार्य को कर दिखाया। हमें और पूरे कुमावत इंडिया पत्रिका को आपके इस अद्भुत और अविश्वसनीय कार्य पर गर्व है।

किसान भाईयों के लिए

कीटनाशी रसायनों का सुरक्षित उपयोग के सुझाव

- कृषि विशेषज्ञों/कृषि विस्तार कार्यकर्ता की सिफारिश के अनुसार अनुज्ञापत्रधारी विक्रेताओं से ही कीटनाशक खरीदें तथा बिल अवश्य लेंवें।
- कीटनाशी रसायन के कंटेनर/पैकेट/डब्बे पर मान्यात प्राप्त लेबल, बैच नं., पंजीकरण संख्या, निर्माण तिथि एवं अवधि पार तिथि अवश्य देखें।
- कीटनाशक हमेशा बच्चों एवं पशुओं की पहुंच से दूर रखें।
- कीटनाशक घरेलू दवाओं से अलग मूल डिब्बे बोतल में रखें।
- छिड़काव/भुरकाव से पूर्व दवा की मात्रा, सान्द्रता, उससका फसल पर प्रभाव, कीट का प्रकार एवं संख्या का अवश्य ध्यान रखें।
- खरतपवारनाशी दवा के छिड़काव करने के बाद स्प्रेयर को अच्छी तरह साफ करके ही काम में लें।
- एक से अधिक कीटनाशक मिलाकर धोल नहीं बनावें।
- हाथों में दस्ताने,आंखों परचश्मा, नाक, मुंह व सिर पर कपड़ा बांधकर ही छिड़ाव करें और शरीर पर कीटनाशक गिरने पर तुरन्त साबुन से धोयें।
- शरीर पर खुले घाव हों तो इन पर मोटी पट्टी बाँधें। छिड़काव /भुरकाव के बाद साबुन से हाथ धोयें।
- दवा को प्रभावी बनाने के लिए घोल में चिपकने वाला पदार्थ मिलायें।
- छिड़काव/भुरकाव हवा की दिशा में सुबह या शाम के समय करें।
- छिड़काव/भुरकाव इस प्रकार करें कि पौधों की पत्तियों के दोनों तरफ दवा चिपक जाये।
- दवा उपयोग के समय बीड़ी, सिगरेट, तम्बाकू, गुटखा एवं खाद्य पदार्थो का उपयोग नहीं करें।
- नोजल के बन्द होने पर सुई से साफ करें।
- छिड़काव/भुरकाव के समय बच्चों, पशुओं को दूर रखें।
- जहर का असर होने पर मरीज को डॉक्टर को दिखायें, कीटनाशक का डिब्बा/बोतल अवश्य बतायें।
- कीटनाशी के घोल को तैयार करने के बाद कभी-भी 24 घंटे पश्चात् इस्तेमाल नहीं करना चाहिए एवं बचे हुए घोल को बेकार जगह पर गड्ढा खोदकर दबा देवें।
- छिड़काव/भुरकाव के काम में आये उपकरण व बर्तन को साबुन या कपड़े धोने के पाउडर से धोयें।
- बचे हुए कीटनाशक को मूल पैकिंग में ही भंडारित करें।

जो पिए लस्सी वो जिए अस्सी

छाछ भूख बढाती है और पाचन शक्ति ठीक करती है, यह शरीर और ह्रदय जो बल देने वाली तथा तृप्तिकर है, क?रोग, वायुविक्रति एवं अग्निमांध में इसका सेवन हितकर है।

1. वातजन्य विकारों में छाछ में पीपर (पिप्ली चूर्ण) व सेंधा नमक मिलाकर
2. कफ विक्रति में आजवायन, सौंठ, काली मिर्च, पीपर व सेंधा नमक मिलाकर
3. पित्तज विकारों में जीरा व मिश्री मिलाकर छाछ का सेवन करना लाभदायी है।
4. संग्रहणी व अर्श (पाईल्स) में सोंठ, काली मिर्च और पीपर समभाग लेकर बनाये गये 1 ग्राम चूर्ण को 200 मि.लि. छाछ के साथ ले।
5. छाछ, लस्सी या मट्ठा के लिए एक कहावत बहुत मशहूर हैं..

जो भोरहि मट्ठा पियत, जीरा नमक मिलाय.!
बल बुद्धि तीसे बढत, सबै रोग जरि जाय.!

छाछ के लाभ

छाछ बनाने की विधि

- दही में मलाई निकालकर पांच गुना पानी मिलाकर अच्छी तरह मथने के बाद जो द्रव्य बनता है उसे छाछ कहते है।
- छाछ में सैंधा या काला नमक मिलाकर सेवन करने से वात एवं पित्त दोनो दोष ठीक होते है।
- छाछ वायु नाशक है और पेट की अग्नि को प्रदिप्त करता है।
- ताजा मट्ठा, तक्र और छाछ दिल की धडकन वाले रोगियों के लिए अमृत है, छाछ का स्वभाव शीतल होता है।
- छाछ अपने गरम गुणों, कसैली, मधुर और पचने में हलकी होने के कारण कफनाशक और वातनाशक होती है,
- पचने के बाद इसका विपाक मधुर होने से पित्त प्रकोप नही करती।

मट्ठा बनाने की विधि - दही में बिना पानी मिलाए अच्छी तरह से मथ कर थोडा मक्खन निकालने के बाद जो अंश बचता है उसे मट्ठा कहते है, ये वात एवं पित्त दोनो का परम शत्रु है।

तक्र बनाने की विधि- दही में एक चौथाई पानी मिलाकर अच्छी तरह से मथ कर मक्खन निकालने के बाद जो बचता है उसे तक्र कहते है, तक्र शरीर में जमें मैल को बाहर निकालकर वीर्य बनाने का काम करता है, ये कफ नाशक है।

भोजनान्ते पिबेत तक्रं वैद्यस्य किं प्रयोजनम !!

भोजन के उपरान्त छाछ पीने पर वैद्य की क्या आवश्यकता है?

खाना न पचने की शिकायत- जिन लोगों को खाना ठीक से न पचने की शिकायत होती है।

उन्हें रोजाना छाछ में भुने जीरे का चूर्ण, काली मिर्च का चूर्ण और सेंधा नमक का चूर्ण समान मात्रा में मिलाकर धीरे-धीरे पीना चाहिए। पाचक अग्नि तेज हो जाएगी।

दस्त- गर्मी के कारण अगर दस्त हो रही हो तो बरगद की जटा को पीसकर और छानकर छाछ में मिलाकर पीएं।

एसीडिटी- छाछ में मिश्री, काली मिर्च और सेंधा नमक मिलाकर रोजाना पीने से एसीडिटी जड़ से साफ हो जाती है।

कब्ज- कब्ज की शिकायत होने से अजवाइन मिलाकर छांछ पीएं।

पेट की सफाई के लिए गर्मियों में पुदीना मिलाकर लस्सी बनाकर पीएं।

सावधानियां-

- मट्ठे को रखने के लिए पीतल, तांबे व कांसे के बर्तन का प्रयोग न करें।
- इन धातु से बने बर्तनों में रखने से मट्ठा जहर समान हो जाएगा।
- सदैव कांच या मिट्टी के बर्तन का प्रयोग करें।
- दही को जमाने में मिट्टी से बने बर्तन का प्रयोग उत्तम रहता है।
- वर्षा काल में दही या मट्ठे का प्रयोग न करें।
- भोजन के बाद दही सेवन बिल्कुल न करें बल्कि मट्ठे का सेवन जरूर करें।
- तेज बुखार या बदन दर्द, जुकाम या जोड़ों के दर्द में मट्ठा नहीं लेना चाहिए।
- क्षय (टीबी) रोगी को मट्ठा नहीं लेना चाहिए।
- यदि कोई व्यक्ति बाहर से ज्यादा थक कर आया हो तो तुरंत दही या मट्ठा न लें।
- दही या मट्ठा कभी बासी नहीं खाना चाहिए क्योंकि इसकी खटास आंतो को नुकसान पहुंचाती है। इसके कारण से खांसी आने लगती है।
- मूर्छा, भ्रम, दाह, रक्तपित्त व उरःक्षत (छाती का घाव या पीडा) विकारों मे छाछ का प्रयोग नही करना चाहिये।
- गर्मियों में छाछ में जीरा, आजवायन और मिश्री अवश्य डाल कर पिये वर्ना छाछ नुकसान कर सकती है।

संकलन **मेघना कुमावत,** सिविल लाइंस, जयपुर।

अनूठी पहल : टीम चेतन धुंधारिया द्वारा रा.बा.उ.मा. विद्यालय, जाहोता, जयपुर को वाई-फाई किये जाने की घोषणा

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जाहोता में मुख्य अतिथि टीम चेतन धुंधारिया के चेतन कुमावत द्वारा गणतंत्र दिवस पर झण्डारोहण कर कार्यक्रम की शुरूआत की। विशिष्ट अतिथि श्री श्याम प्रताप सिंह राठौड, सरपंच ग्राम जाहोता थे।

इस अवसर पर टीम चेतन धुंधारिया द्वारा समाज में जागृति लाने के उद्देश्य व ''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'' को आगे बढ़ाते हुए सरकार के साथ कदम से कदम मिलाते हुए **राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जाहोता को वाई-फाई करने व विद्यालय में 6 पंखे भी लगवाने की घोषणा की।** यह भी कहा कि बेटा और बेटी में फर्क नहीं समझना चाहिए आज बेटियाँ भी बेटों से कम नहीं है, बेटियाँ भी हमारे देश का नाम रोशन कर रही है। इसलिए बेटियों को भी पढाई के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता जयसिंह गुडीवाल ने टीम द्वारा किये जा रहे कार्यों के बारे में अवगत कराया और कहा कि टीम का गठन कोविड-19 की विषम परिस्थितियों में हुआ और तब से लेकर आज तक टीम अपनी जान की परवाह न करते हुए लगातार समाज में जागृति लाने के लिए कार्य कर रही है। गरीबों की सहायता, बेजुबान जानवरों के दाना पानी व्यवस्था, जो बच्चे शिक्षा से वंचित हैं उनकी यथा संभव सहायता कर उनको शिक्षा दिलाने का कार्य टीम द्वारा किये जा रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रिंसीपल ने टीम चेतन धुंधारिया को धन्यवाद दिया और कहा कि अन्य सामाजिक संस्थायें भी इसी तरह सेवा में आगे आये तो वो दिन दूर नहीं जब बेटियाँ भी बेटों की तरह कंधे से कंधा मिलाकर देश का नाम रोशन करेंगी।

इस अवसर पर रा.बा.उ.मा. विद्यालय, जाहोता का विद्यालय परिवार, समाज के अनेक गणमान्य लोग जिनमें श्री नरेन्द्र गुडीवाल, जयसिंह गुडीवाल, शंकरलाल बालोदिया, खेमचन्द खडगटा, राकेश कुमावत (एडवोकेट), विजय कारगवाल, महेश जलान्धरा, राधेश्याम खाटूवाल, जितेन्द्र सिंह, प्रहलाद राय कुमावत, 'चंचल' (साहित्यकार व कवि), छीतरमल कुमावत, मांगीलाल कुमावत, रामचरण, ग्राम जाहोता उपस्थित थे।

-जयसिंह गुडीवाल, प्रवक्ता टीम चेतन धुंधारिया

जन्मदिन पर पौधे लगाकर दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता जयसिंह गुडीवाल ने अपने जन्मदिवस पर श्रीमती कौशल्या देवी अग्रवाल राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जाहोता में पौधे लगाये व विद्यालय में पखें भेंट किये। विद्यालय परिवार द्वारा जयसिंह गुडीवाल को माला व साफा पहनाकर सम्मान किया।

इस अवसर पर जयसिंह गुडीवाल ने कहा कि उनके जन्मदिन का सबसे अच्छा उपहार यही होगा कि सब अपने-अपने जन्मदिन पर 5-5 पौधे अवश्य लगाने और देखभाल का संकल्प लें ताकि हम खुले वातावरण में साँस ले सके। जल, जंगल और जीव को बचाने तथा पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए उपस्थित लोगों से संकल्प करवाया।

टीम के संस्थापक चेतन धुंधारिया ने बताया कि लोग पाश्चात्य संस्कृति का अनुसरण कर रहे हैं। हमें पाश्चात्य संस्कृति को छोड़कर भारतीय संस्कृति अपनानी चाहिए। ग्राम जाहोता के सरपंच श्री श्याम प्रताप सिंह राठौड ने अपने उद्बोधन में कहा कि टीम चेतन धुंधारिया ग्राम जाहोता के लिए लगातार कार्य करने का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर नरेन्द्र गुडीवाल, शंकरलाल बालोदिया, खेमचन्द खडगटा, राकेश कुमावत (एडवोकेट), विजय कारगवाल, जितेन्द्र सिंह, राधेश्याम खाटूवाल, जगदीश जी महाराज व विद्यालय परिवार उपस्थित थे। समाजसेवी हेमचन्द जी खडगटा व चंग धमाल किंग व मशहूर श्याम भजन गायक मनीष गर्ग ने भी अपना आशीर्वाद दिया।

8 मार्च को भजन संध्या

टीम चेतन धुंधारिया एवं श्री श्याम सेवक परिवार द्वारा आयोजित 'एक श्याम सांवरे के नाम' भजन संध्या के पोस्टर का विमोचन माननीय सतीश पूनिया द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम 8 मार्च 2021 को सायं 4.00 बजे झटपट बालाजी मंदिर राधा विहार,मेट्रो पिलर नं. 80, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर पर होगा।

जयपुरनामा

कुमावत इंडिया माह दिसम्बर, 2020 में श्री ताराचन्द सिरोहिया का संकलन प्रकाशित हुआ था, जिसमें जयपुर नगर के निर्माण में कुमावत जाति के योगदान का वर्णन था। इस संदर्भ में कुछ तथ्य विरासत में और मिले हैं, जिनमें आया है कि जयपुर नगर का निर्माण कुमावत कलाकारों ने वैदिक वास्तु के अनुसार ''अष्टाचक्रा नव द्वारा देवानाम पुर योद्धा (अ.10/2/31-32) के अनुसार आठ परिखा और नव द्वार वाली देव नगरी अयोध्या है। यह शरीर रूपी नगर का वर्णन है, जिसमें यक्ष आत्मा की भांति बैठा है। अयोध्या नगरी व जयपुर नगरी भी इसी आधार पर बसे हैं। यह उल्लेख ''वैदिक सम्पत्ति'' लेखक पं. रघुनन्दन शर्मा में आया है। प्राच्य मानचित्रों के अनुसार व वर्तमान में भी जयपुर नगर परकोटा में मुख्य नो द्वार है, यथा (1) गंगापोल (2) सूरजपोल (3) शिवपोल (घाट दरवाजा) (4) रामपोल (सांगानेरी दरवाजा) (5) कृष्ण पोल (अजमेरी दरवाजा) (6) चाँदपोल (7) ब्रह्मपोल (ब्रहमपुरी) (8) ध्रुवपोल (जोरावर सिंह दरवाजा) (9) मथुरापोल (रामगढ़ घाटी) अन्य द्वारों में सम्राट द्वार तोड़ दिया गया है। कागजी बाड़ा द्वार (ओदी काला हनुमान रोड़) मच्छी द्वार (घाट की गूणी आगरा रोड़) मोरियों (छोटे द्वार) में बालानन्द जी की मोरी, हीदा की मोरी, गन्दी मोरी है। शहर के अन्दर के मुख्य द्वारों में सिरह ड्योडी, चार दरवाजा, त्रिपोलिया, जनानी ड्योडी व मरदानी ड्योडी द्वार, चन्द्रमहल द्वार, जलेबी चौक के द्वार मुख्य है।

चौकड़ियों में आठ चौकड़ियाँ है (1) घाट दरवाजा (2) विश्वेश्वर जी (3) मोदी खाना (4) तोपखाना देश (5) पुरानी बस्ती (6) सरहद (राजपरिवार) (7) रामचन्द्र जी (8) गंगापोल। चौकड़ियों के रास्तों में नर मादा (एक छोटा एक बड़ा का ध्यान रखा गया है) चौकड़ियों में बनवाये गये घर अपवाद को छोड़कर दक्षिणमुखी नही है। जो है वे वास्तु नियमों के अनुसार जब सूर्य सिंह राशि पर होता है बनाये गये है। घर गुणिया में और मुख्य द्वार मध्य में तथा बायीं और से प्रवेश का विधान रखा गया है। घर में आगे का हिस्सा कम पीठ अधिक और चौक विषम नाप में है। गणेश पोल मुख्य द्वार के सामने का द्वार बन्द और बांयी और से प्रवेश का द्वार मुख्यद्वार गणेशपोल है जिसकी (गणेशजी) पूजा हर गणेश चतुरदशी पर होती है।

आणतराम उच्चस्थ वास्तुकार एवं संगीतज्ञ थे वे परवावज बजाने में महान् कलाकार भी थे। महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय के समय में नृसिंह जी के मंदिर में संगीत के साथ परवाज भी बजाते थे। उनके नाम के साथ हालका उपाधि थी, उसी उपाधि पर आमेर नृसिंह जी के मन्दिर के पास हालुपोल है। महाराज जयसिंह के समय में एक यवन संगीतज्ञ संगीत में सब नगरों के संगीतज्ञ को परास्त करता हुआ उनके वाद्यों को गाड़ियों में लादकर आमेर आया और आमेर के संगीतज्ञों को ललकारा ओर मुकाबला करने को कहा। अणतराम जी को मुकाबले के लिये महाराज ने प्रस्तुत किया। अणतराम जी ने साक्षात्कार में संगीतज्ञ को अपना नाम बताने को कहा, उसने अपना नाम मिर्ची बताया। संगीतज्ञजी ने अणतराम जी से नाम पूछा। अणतराम जी ने कहा मेरा नाम अणतराम घी है। आज घी मिर्ची की कडवाहट को समाप्त करेगा, इस पर सभी उपस्थित जन हँस पड़े। मिर्ची अणतराम जी के सामने परास्त हो नतमस्तक हो गया। अणतराम जी ने उसके समस्त वाद्य लेकर गुणीजन खाने में जमा करा दिये। महाराज ने उन्हें ग्राम किशनपुरा उर्फखातीपुरा के जागीरदार बनाकर 100 बीघा जमीन भी प्रदान की। अणतरामजी ने वहां एक शिखरबन्ध मन्दिर का निर्माण करा दिया। अणतराम जी के वंशज स्व. रामगोपाल जी हालूका अन्तिम जागीरदार ने बताया था कि वे संगीत प्रेमी थे उन्हें अन्य कोई शतरंज, चौपड़ आदि खेलों का व्यसन नहीं था। क्रमश:

– **यशपाल कुमावत कन्डेरीवाल,** मो. 8209623067

130 साल की विश्व की सबसे बुजुर्ग महिला

हिमाचल प्रदेश के बिलासपर जिले में विश्व की बसे बुजुर्ग महिला के होने का पता चला है। महिला के आधार कार्ड में उनका जन्म साल 1890 लिखा है उनकी उम्र 130 साल है। इसका पता उस समय चला जब महिला बिलासपुर के घुमारवीं के पपलाह गांव में पंचायत चुनाव में अपना वोट डालने आई थी। महिला के जन्म साल को सुनकर पोलिंग बूथ पर मौजूद हर शख्स दंग रह गया।

जानकारी के मुताबिक विश्व की सबसे बुजुर्ग महिला रूस की जीन केलिमेंट हैं, जिनका साल 1997 में 122 साल की उम्र में निधन हो गया था। मौजूदा समय में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में जापान की केन तनाका (118) सबसे बुजुर्ग महिला के नाम दर्ज है।

महिला के छह बच्चे थे, दो की मौत : मीडिया रिपोर्ट के अनुसार घुमारवीं की रहने वाली इस महिला के छ: बच्चे थे, इनमें दो की मौत हो चुकी है। महिला के परिवार में कोई ज्यादा पढ़ा-लिखा नहीं है। कहा जा रहा है कि इसके चलते ही महिला की उम्र को लेकर किसी ने कोई जिक्र नहीं किया था। साथ ही स्थानीय प्रशासन ने भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया।

महिला की जांच में उम्र सही निकली तो करेंगे रेकॉर्ड का दावा : बिलासपुर जिले के डीसी ने कहा कि जांच के बाद यदि मंशा देवी की उम्र सही पाई गई तो वह वर्ल्ड रेकॉर्ड के लिए भी दावा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि महिला की उम्र से जुड़े तथ्यों की जांच करवाएंगे।

धीरे-धीरे खत्म होता: मातृत्व (अंकिता कुमावत एक पहचान)

यह लेख जो भी पड़े उनसे हमारा हार्दिक अनुरोध है कि इसे कुमावत समाज की राष्ट्रीय- अंतराष्ट्रीय पहचान को निखारने के लिए एक बेटी के त्याग को सँजो कर रखने की पहल में अपना योगदान स्वरूप समझे।

हमारी जाति और समाज सदियो से किसान और कलाकार, नवनिर्माणकार के रूप में स्थापित रहा है। यह अलग बात है कि हमारी जाति व समाज की अग्रणी पंक्ति ने इतिहास के प्रति अपनी उदासीनता और 'एकला चालो रे' की नीति के चलते हमारे समाज को कभी भी सामूहिक सफलता के रूप में, कहीं भी और किसी भी क्षेत्र में स्थापित नही करा पाये।

हमारी यह एक विडम्बना ही है कि राजस्थान में 5 बड़ी जाति और भारत वर्ष में 0.37% (लगभग 44 लाख) की जनसँख्या वाला समाज होकर भी हम राज्य और देश की पहचान बनाने वाले समाजों की पंक्ति में कही भी चिन्हित स्थान नहीं रखते है।

यहाँ पर ऐसा कतई नही है कि हमारे समाज मे शिक्षा, समझ, कला और व्यापारिक बुद्धिमता की कहीं भी व किंचित भी कमी रही हो न वर्तमान में और न कालांतर में रही है। ऐसा कहि भी कोई उदाहरण नही है बल्कि हमारे पूर्वजों के द्वारा निर्मित भवन, हवेलियाँ, किले-गढ़, बावड़ी-तालाब आज भी शान से खड़े है और भारत का गौरवशाली इतिहास में बने हुए है। यह अलग बात है हम इसकी भी पुष्टि लिखित में कही भी नही करा पाए है।

खेर एक कहावत है कि **'हाथ कंगन को आरसी क्या, पढ़े लिखे को फारसी क्या'।** हमारे समाज की एकल सफलताये वर्तमान में इसका उत्तर निश्चित कर रही हैं। अत: हमारे उक्त उल्लेख को हमने न जाने अनगिनित बार अनेक लेखों और सभाओं में वर्णन किया है , बहस की है सामाजिक चर्चा भी की है, परंतु इस अंदरूनी घाव की यह कसक एक टिस की तरह किसी न किसी रूप से उभरती रहती है। जब भी कोई समाज का युवक और युवती अपने सपनो को त्याग कर, अपने भौतिक सुखों और रसूखों को त्याग कर अपनी जाति-समाज की पहचान बनाने में अपना सर्वस्व लगा देता है और उसके भागीरथी प्रयास के संघर्ष में समाज और समाज के अग्रणी सफल पंक्ति के लोग या विभिन्न संस्थाए उनकी मदद के लिए नदारद होते है तो यह टिस और भी ज्यादा दर्द देती है.. ?

तब ऐसा लगता है कि **यह रसूख वाले लोग या संस्थाए ऐसा R&D विभाग क्यो नही बनाती जहाँ पर समाज के गुणी, बुद्धिमान, साहसी युवाओं के प्रयासों को चिन्हित कर उन्हें प्रोत्साहित और सहयोग किया जा सके।**

जब समाज के किसी भी व्यक्ति का किसी सरकारी या गैर सरकारी पद पर चयन होता है या व्यापार में सफलता प्राप्त होती है तब पूरा समाज उनकी सफलता को, उनकी तारीफ के कसीदे को, सामाजिक मीडिया (फेसबुक-व्हाट्सअप, समाजिक गिनी-चुनी पत्रिकाओं) में बिना उस व्यक्ति की जानकारी के अपने स्वंय के फोटो को बड़ाकर के पोस्ट करता है और अनजाने लोगो की लाइक्स और कमेंट का लाभ लेता हुआ नजर आता है। एक होड़ जैसी मच जाती है परन्तु उसी व्यक्ति के संघर्ष के समय हम कहीं नजर नही आते है , उनकी मदद और प्रोत्साहन के लिए हम कभी खड़े नही होते है। सोचिये, यह एक बड़ा गम्भीर विषय है।

अब हम बात करते हैं 'अंकिता कुमावत' की। यह नाम जिसके बारे में लगभग 3-4 वर्षों पहले हमारे समाज के कई युवा-वरिष्ठ समाज सेवको, आर्थिक सफल और सामाजिक संस्थाओं के महामहिमो, व अन्य कई लोगो ने समाज की गौरव महिला होने की पोस्ट कमोबेश अपने-अपने स्तर पर प्रेषित की और सुर्खिया बटौरी, कइयों ने तो स्टार्टअप नाम का मतलब पता नही होने पर भी सहयोग के खिताब लूट लिए।

पर वास्तविक धरातल पर न किसी ने विषय को समझा न काम किया। 'अंकिता कुमावत' कुमावत समाज की ऐसी युवती जिसने IIM Kolkata से MBA किया है। IIM संस्था में प्रवेश की परीक्षा देश की सर्वोच्च प्रवेश परीक्षा है इसे पार करना भी अपने-आप मे एक उपलब्धि होती है।

अपनी MBA की पढ़ाई खत्म करने के बाद अंकिता कुमावत लगभग 5 वर्षो तक अमेरिका और जर्मनी जैसे विकसित देशो में बहु-राष्ट्रीय कंपनियो में अपनी सेवा दी। एक बेहतरीन व्यवसायिक कॅरियर के बावजूद भी उन्हें कही न कही देश के प्रति व अपने समाज के प्रति कुछ करने की भावना जीवन्त रही। उन्हें हमेशा लगा कि जो कार्य मे दूसरे देशों के लिए कर रही हूँ क्यों न यही कार्य अपने देश - अपनी मिट्टी के विकास के लिए किया जाए और उनके एक निर्णय ने उनके जीवन को पूरी तरह बदल दिया।

अंकिता कुमावत के लिए सब कुछ छोड़ कर आना आसान नही था परन्तु उन्होंने अपने दृढ निश्चय से इसे सम्भव किया। देश वापस आने के बाद प्रारम्भ में अजमेर शहर के बाहर अपने पिताजी के साथ खेती को सीखने और हमारे देश की माँ (गो-माता) के प्रजनन और विकास के बारे में अध्ययन किया।

वर्तमान में हम जो भी खाद्यान खा रहे है या दूध पी रहे है वो एक केमिकल के रूप में धीमा जहर जैसा है। अत्यधिक कीटनाशकों के उपयोग, भूमि की उर्वरक क्षमता की कमी, पानी की अनिमियता और खाद्य के व्यवसायीकरण ने हमारे खान-पान में जहर भर दिया है। यह जहर इतना महीन है कि तुरन्त इसका असर नही दिखता पर धीरे-धीरे हम सभी के जीवन में मोटापा, गैस, ह्रदय रोग, रक्तचाप, त्वचा रोग, अम्लता, स्ट्रेस, केंसर जैसी बीमारियां की तरफ निरन्तर अग्रसर करता जा रहा है। इस गम्भीर विषय की पीड़ा को समझते हुए अंकिता कुमावत ने रसायनों से पूर्णतया मुक्त जैविक खेती की

राह को चुना और निरन्तर प्रयासों से सफलता की ओर अग्रसर होती रही ।

इसके आगे उन्होंने श्वेत क्रांति में भारतीय देशी गायों की उर्वरकता को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और 1 गाय से प्रारम्भ करने से लेकर आज तक उनके पास 45 गायें हैं जिनमें 20 को 4था वर्ष है। प्रारम्भिक अवस्था मे अंकिता कुमावत ने अपने इस प्रयास में मात्र दूध से शुरूआत की थी और अपने कठिन परिश्रम से आज 300 से ज्यादा शुद्ध उत्पादन तैयार कर चुकी है जो अपने-आप मे एक बड़ी उपलब्धि है। इस संघर्ष की यात्रा में उनके पति श्री लोकेश का साथ एक मिसाल है।

अंकिता कुमावत के इस संघर्ष और सफलता को देश के कई समाचार चैनलों, पत्रों, अखबारों, मैगजीनों, सामजिक मीडिया के मंचो, ने उनके जीवन को अपने-अपने स्तर पर कई दफा कवर किया है। जब भी अंकिता कुमावत नाम आता है 'कुमावत' शब्द की पहचान एक सम्मान के साथ स्थापित हो रही है समाज का नाम पहले रखा जाना हम सभी के लिए एक बड़े गर्व की बात है। इस यात्रा में कई तरह के पुरस्कारों से भी अंकिता कुमावत को पुरस्कृत किया गया।

हमें यह जानकर भी गर्व होगा कि अंकिता कुमावत और उनके पति श्री लोकेश जी ने पूरे लोकडाउन में लगभग 1500 परिवारों को अपनी जान की परवाह किये बिना दूध-राशन और अन्य रोजमर्रा की चीजों को उप्लब्ध करवाया। यही नहीं सड़क पर पुलिस बन्दोबस्त की टुकड़ियों के लिए भी समय-समय पर चाय-दूध की नि:शुल्क आपूर्ति की जो मानवीय संवेदनाओ से भरा कार्य था।

अंकिता कुमावत ने अपने अनुभव को देश के कई क्षेत्रों के किसानों के साथ साक्षात्कार, लेखों और व्यक्तिगत सम्पर्क द्वारा साझा किया। उनको जैविक कृषि और श्वेत क्रांति की तरफ प्रेरित किया, साथ ही साथ उनके उत्पादनों को सही तरह से पैकेजिंग और मार्केटिंग के संसाधनों द्वारा अपने द्वारा बनाये गए सूचना प्रौधोगिकी के माध्यम से 'मातृत्व प्लेटफॉर्म' का संचालन आरम्भ किया, जिसमें Amazon जैसी बहु-राष्ट्रीय कंपनी से भी अपने-आप को व अन्य किसानों और कृषि से जुड़ी महिलाओ को एक सूत्र में जोड़ने का प्रयास किया है।

जहाँ पर लोग 2केले देते समय ऐसे फोटो खिंचाते हैं और बड़ा पोस्टर लगाते है उसके विपरीत इन्होंने अनाम उत्सर्ग की तरह कार्य कर रही है।

परन्तु इस भागीरथी प्रयास में अंकिता कुमावत ने अपनी जमापूँजी, आराम, मान-सम्मान सर्वस्वं न्योछावर कर दिया है।

आज हम अंकिता कुमावत के सामाजिक-देशहित कार्यो के पहलु देखने के साथ-साथ उनके वास्तविक संघर्ष व कठिनाइयों को भी हम आपसे साझा करना चाहते है। अंकिता कुमावत ने इस प्रयास में आज तक किसी भी तरह की **सरकारी या गैर सरकारी मदद नहीं ली है।** परिणाम स्वरूप इनकी सभी बचत और निवेश की राशि आज पूरी तरह से इस आंदोलन में लग चुकी है। देशी गायों के विकास में लगभग 5वर्ष लगते है उसके उपरांत ही वो A2 गुणवत्ता वाले दूध का निर्माण करने में सक्षम होती है और जैविक कृषि में लगभग 2-3 वर्ष का समय प्रारम्भ में लगता है एक फसल को तैयार करने में। परंतु अंकिता कुमावत ने इन सभी से अपनी मेहनत से पार पाने में लगातार प्रयासरत है, परन्तु इस वैश्विक महामारी कोविडं के चलते उन पर भी बड़ी गाज गिरी है, उनके कई शहरों में उत्पादन आपूर्ति बंद हो गई, कई तरह के उत्पाद नष्ट करने पड़े, लोगों के व्यवसाय और नोकरी पर असर की वजह से मांग में कमी होने लगी, साथ ही साथ इस स्टार्टअप को एक बेहतरीन पैकेजिंग, मार्केटिंग और सप्लाई के लिए एक संघटित निवेश की इस समय अत्यधिक आवश्यकता है यह एक ऐसा कार्य है जिसे वर्तमान समय मे अकेली अंकिता कुमावत के लिए पार पाना मुश्किल साबित हो रहा है। साथ ही साथ कुमावत समाज में जन्म लेने से एक आनुवंशिकी आत्मसम्मान और गौरव के चलते वह किसी भी समाज के सफल व्यक्तियों से आर्थिक कठिनाइयों की चर्चा नहीं करती है बल्कि अपने संघर्ष को और कड़ा कर दिया है।

सौभाग्य या इत्तिफाकन हमें उनके फार्म हाउस पर जाने और उनसे भेट करने अवसर मिला, जिसमें हमने बारीकी से उनके कार्य को देखा-परखा, हमें बड़ा गर्व महसूस हुआ उनके इस सामाजिक प्रयास को देख कर। परन्तु साथ ही उनके इस 6 वर्ष के प्रयास को आर्थिक -सामाजिक प्रोत्साहन के अभाव में धीरे-धीरे मरते हुए भी महसूस किया।

आज वर्तमान में अंकिता कुमावत जैसे युवा उधमियो को उनके नए प्रयासों और साहस के लिए सामाजिक व आर्थिक सहयोग संरक्षण की गम्भीर आवश्यकता है ।

अत: हमारी उन सभी सफल समाज बन्धुओ से निवेदन है कि अंकिता कुमावत के स्टार्टअप में सहयोग के लिए आगे आये। जो भी इस लेख को पढ़ रहे है वो कम से कम जो जैविक उत्पादन वो अपने घर में किसी अन्य बहुराष्ट्रीय कंपनी का उपयोग कर रहे है उसके बजाय अंकिता कुमावत के शुद्ध जैविक उत्पादों का प्रयोग शुरू करे, जिससे हमारा स्वास्थ्य और उनकी गरिमा दोनों बरकार रह सकती है।

हम A2 गुणों से भरा गाय का शुद्ध घी, कई तरह के आयुर्वेदिक प्राकृतिक शहद, इम्युनिटी को बढ़ाने वाला मोरिंगा पाउडर, ड्रमस्टिक के पदार्थ, शुद्ध जैविक गेंहू, चना, मक्का, बाजरा, रागी का आटा, कई तरह की शुद्ध तेल से बनी नमकीन और प्राकृतिक गुड़ व शक्कर से बनी मिठाईया जैसे 300 से ज्यादा उत्पाद अंकिता कुमावत ने विकसित किये है जिनका उपभोग में अन्य के मुकाबले अपने समाज के स्टार्टअप को बढ़ाने में सहयोग रूप में कर सकते है।

विभिन्न वर्गों में चयन/नियुक्ति पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई

दीपक कुमावत (सिरोहिया) को बीजेपी (किसान मोर्चा) का प्रदेश सह- कोषाध्यक्ष

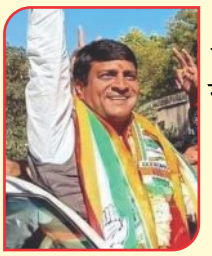

श्री अशोक जी टांक राजसमंद सभापति

श्री बंशी लाल जी कुमावत को राजसमंद के उपसभापति

भानु कुमावत (NCP) निवाई, वार्ड 6 से विजयी हुए, भाजपा ज्वाइन की।

पूर्व सभापति, उदयपुर **श्रीमान युधिष्ठिर जी कुमावत** को भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य

श्री रामस्वरूप जी खोरानियाँ प्रदेश मन्त्री (BJP OBC मोर्चा)

अशोक जी कुमावत को रींगस, नगर पालिका अध्यक्ष

मनोज कुमावत नगर पालिका केकड़ी वार्ड-38 से विजयी

उमेश कुमावत नगर पालिका केकड़ी वार्ड-22 से विजयी

(CA) बनने पर हार्दिक बधाई

खेता राम कुमावत

राजेन्द्र कुमावत

प्रमोद कुमार निराणिया

राकेश कुमावत

सपना कुमावत
पुत्री भागचंद कुमावत

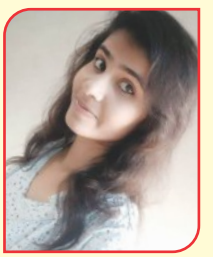

डिम्पल चेजारा
पुत्री तेजाराम चेजारा लक्ष्मणगढ़

चेतन धुंधारिया

हमारे प्रिय समाजसेवी श्री हेमचन्द खड़गटा द्वारा लिखित

'हेमचन्द कल से आज'

के विमोचन प्रकाशन पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

टीम चेतन धुंधारिया, जयपुर

श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए 21 लाख रुपए दिये

श्री भींवाराम कुमावत (निवासी अणतपुरा) व श्री पन्नालाल कुमावत (निवासी आसलपुर) ने श्री राम जन्मभूमि निर्माण के लिए निधि संग्रह में भारती भवन, जयपुर में आर.एस.एस. के प्रांत प्रचारक शैलेन्द्र कुमार, पूर्व मंत्री राजपाल शेखावत को श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए 21 लाख रुपए की राशि समर्पित की। इस अवसर पर आशीष कुमावत (जिला उपाध्यक्ष भाजयुमो जयपुर) समाज सेवी मनोज कुमावत, सुरज कुमावत, समाज सेवी बनवारी लाल कुमावत ने बताया कि दोनों भाई भंदे के बालाजी विवाह सम्मेलन में अपना पुरा सहयोग करते हैं। कुमावत समाज दोनों भाईयों को समाज का गौरव मानता है। आपने समाज के कार्यों के लिए आर्थिक सहयोग देने से कभी किसी समाजबंधु को खाली हाथ नहीं लौटाया।

नावां सिटी : पड़पौत्र के जन्म पर चिकित्सा सामग्री दी

शहर के हरिओम कॉलोनी की रहने वाली महिला आचूकी देवी पत्नी स्व. मूलाराम मोरवाल की ओर से अपने प्रपौत्र के जन्म पर चिकित्सकों की ओर से बताई गई चिकित्सा सामग्री भेंट की गई। आचूकी देवी के परिजन लादूराम मोरवाल, नवरतन, पवन व दिनेश मोरवाल ने चिकित्सालय पहुँच कर यह सामग्री भेंट की। चिकित्सा प्रभारी ओमसिंह शेखावत ने मोरवाल परिवार का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सर्जन वक्ताराम चौधरी, स्त्री रोग विशेषज्ञ गोपाल ढाका, फिजीशियन श्रवण नायक, दंत चिकित्सक सौरभ जैन सहित अन्य चिकित्सा कर्मी मौजूद रहे। यह की सकारात्मक पहल स्वागत योग्य है।

बाल निवास जयपुर में मनाया गणतंत्र दिवस

श्री बाल निवास ट्रस्ट (रजि)जयपुर के तत्वावधान में 72वां गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया। इसमें मुख्य अतिथि राकेश जी सिरोहिया एवं प्रधान ट्रस्टी राम प्रसाद जी घोडेला व गणमान्य व्यक्ति एवं पार्षद कपिला कुमावत उपस्थित रहे।

पूनम-महेन्द्र बिरथलिया
एडिलेड, आस्ट्रेलिया

निकिता-योगेन्द्र राजोरिया
जयपुर (राज.)

हमारे प्रिय मामाजी
श्री हेमचन्द खड़गटा द्वारा
लिखित सम्पादित प्रकाशित
'हेमचन्द कल से आज'
के विमोचन पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

नीतू-भरत राहोरिया
पूना (महाराष्ट्र)

विज्ञापन

सीताराम कुमावत को SMS Hospital, Jaipur प्रशासन की तरफ से उत्कृष्ट कार्य हेतु दक्षता प्रमाण प्रदान किया गया, बधाई।

श्री विजेंद्र मारवाल (कुमावत) PWD राजस्थान को उत्कृष्ट सेवा के लिए राजकीय सम्मान से सम्मानित किया गया, बधाई

बधाई : श्रीकांत जी कुमावत RTO इंस्पेक्टर धौलपुर को सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने पर राज्य स्तरीय सम्मान परिवहन मंत्री श्री प्रताप सिंह खाचरियावास व मंत्री श्री अशोक चांदना द्वारा दिया गया।

फुलेरा विधायक श्रीमान निर्मल कुमावत के द्वारा श्री राम जन्मभूमि निधि में रुपए 2,51,111/- समर्पित कर सहयोग किया गया।

सारथी ग्रुप ने लड़की की शादी में मदद की

कोविड की वजह से बहुत से लोगों का काम धंधा छूट गया और अत्यधिक आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ा। इसी क्रम में केर की ढाणी, सांगानेर, जयपुर में एक परिवार को अपनी लड़की की शादी करने में वित्तीय समस्या आ रही थी। इसकी जानकारी मानव सेवार्थ समर्पित सारथी ग्रुप को होने पर उस परिवार को शादी का सामान उपलब्ध करवाकर मदद की। इस अवसर पर सारथी ग्रुप के साथियों सहित श्रीमती पूनम कुमावत भी उपस्थित थी।

लड़की के परिवार तथा ढाणी के कुमावत समाज के लोगों ने सारथी ग्रुप का धन्यवाद किया।

हमारे प्रिय समाजसेवी श्री हेमचन्द खड़गटा द्वारा लिखित
'हेमचन्द कल से आज'
के विमोचन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

मनमोहन सिंह वर्मा

Gems Medicose
Sure Diagnostic Center
25-B, Near J K Loan Hospital, Jaipur

Ashirwad Hostel
E-17, Near VIT College, Jagatpura, Jaipur

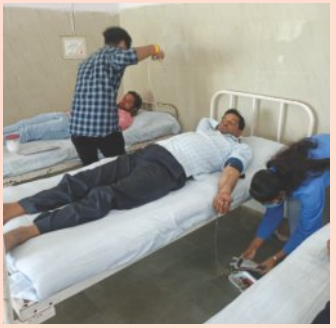

साँवेर में रक्तदान शिविर

15 फरवरी 2021 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, साँवेर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था जिसमें कुमावत समाज के युवाओं के अलावा अन्य युवाओं ने भी रक्तदान किया। इस रक्तदान शिविर में 63 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ जो इंदौर के M. Y. अस्पताल व सरकारी अस्पताल में नि:शुल्क उपलब्ध रहेगा। इस रक्तदान शिविर में कुमावत समाज के नेमीचंद कारवाल, दिलीप जी चौधरी, एडवोकेट सचिव कारवाल का विशेष योगदान रहा।

रक्तवीर ने रक्तदान कर 20 घण्टे के बच्चे को जीवनदान दिया

जानकारी के अनुसार कुचामन के निजी हॉस्पिटल में एक बच्चे को बी नेगेटिव (फ्रेश ब्लड) की आवश्यकता थी, बी नेगेटिव (फ्रेश ब्लड) नहीं होने का कुचामनसिटी के डॉ. पी.एल. कुमावत को जैसे ही पता चला कि बच्चे की हालत गँभीर है, ये रक्त वीर कुचानसिटी में श्री श्याम ब्लड बैंक पहुंचे और बच्चे के लिए ब्लड डोनेट किया। अन्य बी नेगेटिव डोनर भी पहुंचे जिनमें श्री ओम प्रकाश गावड़िया जसराना व दीनदयाल जी की पत्नी श्रीमती कांता देवी। इन सभी का बच्चे के परिजनों एवं समासेवी श्री राजकुमार फौजी, महेश कुमावत, दुर्गेश कुमावत एवं श्रीश्याम ब्लड बैंक की ओर से आभार प्रकट किया गया।

डॉ महेश कुमावत (कृषि अनुसंधान अधिकारी), कृषि आयुक्तालय पंत कृषि भवन जयपुर में कार्यरत को, कृषि विभाग के राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह पर, कृषि विभाग राजस्थान में उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया, '**कुमावत इंडिया**' की ओर से बधाई।

जयपुर में रॉयल एक्सपोर्ट के मालिक,जिला परिषद सदस्य,भामाशाह श्री बाबूलाल जी कुमावत द्वारा श्री राम मंदिर ट्रस्ट को 7 लाख रुपए की निधि का समर्पण किया।

दिप्ती-पवन धुंधारिया
सैनफ्रांसिस्को (यूएसए)

हमारे प्रिय समाजसेवी श्री हेमचन्द खड़गटा
द्वारा लिखित
'हेमचन्द कल से आज'
के विमोचन पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

कीर्ति-मोहित धुंधारिया
पूना (महाराष्ट्र)

हमारी अपील है कि हमारी छोटी सी पहल हमारे युवाओं को जोखिम लेने और लीक से हटकर कार्य करने में प्रोत्साहन दे सकती है। आर्थिक दृष्टि से सफल समाज के सम्मानीय जनों से निवेदन है अंकिता कुमावत के सहयोग के लिए आगे आये और उनके और कुमावत समाज के आर्थिक आत्मसम्मान को बढ़ाने में सहयोग करे।

हम यहां यह भी स्पष्ट करते है कि इस लेख के बारे में अंकिता कुमावत जी को पता तक नही है यह हमने अपने संज्ञान के तहत इस महत्वपूर्ण विषय को समाज के समक्ष रखने की कोशिस की है जिससे अंकिता कुमावत जैसे समाज के अन्य युवाओं को आगे आने का अवसर मिले। अत: उनके गौरव और संघर्ष की मर्यादा रखने हेतु विनम्र निवेदन है। हम सभी का एक छोटा प्रयास समाज में कई स्टार्टअप्स और औधोगिक क्रांति की तरफ एक बड़ी पहल बन सकता है।

किसी भी जानकारी के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक कर उनकी वेबसाइट www.matratva.co.in पर एक बार अवश्य विजिट करे।

- मुकेश कुमावत

(अंकित कुमावत 9982841777)

8वीं सदी से स्थापत्य, शिल्प कला व मूर्तिकला

प्रधान वास्तुविद तथा मूर्तिशास्त्री मंडन एक परिचय

शिल्पी मंडन खनारिया

वास्तुविद तथा मूर्तिशास्त्री मंडन की जन्म तिथि तो ज्ञात नहीं किन्तु महाराणा कुंभा (1433-1468 ई.) का प्रधान सूत्रधार (वास्तुविद) तथा मूर्तिशास्त्री शिल्पी मंडन था। रूपमंडन में मूर्तिविधान की इसने अच्छी विवेचना प्रस्तुत की है। मंडन सूत्रधार केवल शास्त्रज्ञ ही न था, अपितु उसे वास्तुशास्त्र का प्रयोगात्मक अनुभव भी था।

मंडन सूत्रधार वास्तुशास्त्र का प्रकांड पडित तथा शास्त्रप्रणेता था। इसने पूर्वप्रचलित शिल्पशास्त्रीय मान्यताओं का पर्याप्त अध्ययन किया था। इनकी कृतियों में मत्स्यपुराण से लेकर अपराजितपृच्छा और हेमाद्रि तथा गोपाल के संकलनों का प्रभाव था।

काशी के कवींद्राचार्य (17वीं शती) की सूची में इनके ग्रंथों की नामावली मिलती है। मंडन की रचनाएँ निम्नलिखित हैं-

1. देवतामूर्ति प्रकरण, 2. प्रासादमंडन, 3. राजबल्लभ वास्तुशास्त्र, 4. रूपमंडन, 5. वास्तुमंडन, 6. वास्तुशास्त्र, 7. वास्तुसार, 8. वास्तुमंजरी एवं 9. आपतत्व।

आपतत्व के विषय में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। रूपमंडन और देवतामूर्ति प्रकरण के अतिरिक्त शेष सभी ग्रंथ वास्तु विषयक हैं। वास्तु विषयक ग्रंथों में प्रासादमंडन सबसे महत्वपूर्ण है। इसमें चौदह प्रकार के प्रासाद (महल) के अतिरिक्त जलाशय, कूप, कीर्तिस्तंभ, पुर, आदि के निर्माण तथा जीर्णोद्धार का भी विवेचन है।

एक मूर्तिशास्त्र के रूप में भी मंडन बहुत बड़ा पंडित था। रूपमंडन में मूर्तिविधान की इसने अच्छी विवेचना प्रस्तुत की है। मंडन केवल शास्त्रज्ञ ही न था, अपितु उसे वास्तुशास्त्र का प्रयोगात्मक अनुभव भी था।

कुंभलगढ़ का दुर्ग, जिसका निर्माण उसने 1458 ई. के लगभग किया, उसकी वास्तुशास्त्रीय प्रतिभा का साक्षी है। यहाँ से मिली मातृकाओं और चतुर्विंशति वर्ग के विष्णु की कुछ मूर्तियों का निर्माण भी संभवत: इसी के द्वारा या इसी की देखरेख में हुआ।

मंडन कृत राजवल्लभ वास्तुशास्त्र में कुंभा के काल में दुर्गों की सुरक्षा के लिए तैनात किए जाने वाले आयुधों, यंत्रों का जिक्र आया है - संग्रामे वह्नम्बुसमीरणाख्या। मंडन ने ऐसे यंत्रों में आग्नेयास्त्र, वायव्यास्त्र, जलयंत्र, नालिका और उनके विभिन्न अंगों के नामों का उल्लेख किया है - फणिनी, मर्कटी, बंधिका, पंजरमत, कुंडल, ज्योतिकया, ढिंकुली, वलणी, पट्ट इत्यादि। ये तोप या बंदूक के अंग हो सकते हैं।

वास्तु मण्डनम में मंडन ने गौरीयंत्र का जिक्र किया है। अन्य यंत्रों में नालिकास्त्र का मुख धत्तूरे के फूल जैसा होता था। उसमें जो पॉवडर भरा जाता था, उसके लिए निर्वाणांगार चूर्ण शब्द का प्रयोग हुआ है। यह श्वेत शिलाजीत (नौसादर) और गंधक को मिलाकर बनाया जाता था। निश्चित ही यह बारूद या बारुद जैसा था। आग का स्पर्श पाकर वह तेज गति से दुश्मनों के शिविर पर गिरता था और तबाही मचा डालता था। वास्तु मंडन जाहिर करता है कि उस काल में बारुद तैयार करने की अन्य विधियां भी प्रचलित थी।

राजस्थान का स्थापत्य - चित्रकला II

राजस्थान का स्थापत्य - चित्रकला

Nadine Le Prince Cultural Center नामक हवेली, जो पहले देवड़ा हवेली के नाम से जाना जाता था, को फ्रांस की एक कलाकार Nadine Le ने सन् 1998 में खरीदा और इस कलाकारी को फिर से जीवंत कर दिया।

सामूहिक विवाह सम्मेलन

भंदे बालाजी (जयपुर)	**त्रिवेणी धाम, शाहपुरा,**
15 मार्च, 2021	जयपुर में 21 जोड़ों का विवाह
फुलेरादोज	21 अप्रेल, 2021 रामनवमी

डॉ. आशा कुमावत

सुश्री डॉक्टर आशा कुमावत (जेथीवाल), कुमावत समाज की प्यारी सी बेटी जिन्होंने 2019 में जे.एल.एन मेडिकल कॉलेज, अजमेर से MBBS किया था और वर्तमान में मेडिकल ऑफिसर के पद पर CHC टाटोटी ब्लॉक-भिनाय, अजमेर, राजस्थान में कार्यरत हैं। डॉक्टर आशा का जन्म किशनगढ़-रेनवाल जिला जयपुर में हुआ तथा इनकी प्रारंभिक शिक्षा रेनवाल में ही हुई।

इनके के पिता का नाम डॉक्टर नानू राम कुमावत, माता सुरेखा कुमावत तथा भाई दीपांशु कुमावत है इनके पिता स्वयं भी राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सक हैं जो कि सथाना, विजयगढ़, अजमेर में कार्यरत हैं। इनकी माता कुशल ग्रहणी है जिन्होंने अपने बच्चों की पढ़ाई में काफी सहयोग किया है। इनके भ्राता ने भी आईआईटी कानपुर से B.Tech. किया है।

स्वभाव से सरल डॉक्टर आशा का मानना है कि समाज में **पुत्रियों की उच्च शिक्षा पर अधिक जोर दिया जाना चाहिए** और **उन्हें समान अवसर दिए जाने चाहिए** ताकि उनकी योग्यता में बढ़ोतरी हो और वे जीवन में स्वाबलंबी तथा आत्मनिर्भर बने।

आधुनिकता या महिला सशक्तिकरण ?

वर्तमान में एक नया चलन चल पड़ा है समाज में यह न केवल हमारे समाज में अपितु हर वर्ग व तबके में देखा जा सकता है। यह चलन है विवाह के कुछ वर्षों बाद स्त्री का अपने बच्चों को लेकर पीहर में चले जाना या अन्यत्र रहना। ऐसा क्या हो जाता है कि विवाह के सात, दस, पन्द्रह वर्ष बाद स्त्री ऐसा कदम उठाती है। कहावत है पुरुष बिगड़ता है तो केवल पुरुष ही बिगड़ता है किंतु स्त्री बिगड़ती है तो पूरा परिवार बिखर जाता है। कुछ वर्षों पहले तक यह सिलसिला था कि ससुराल पक्ष परेशान करता है या अनुचित मांग करता है जिसकी वजह से लड़की ससुराल से पीहर आ जाती थी किंतु वर्तमान में यह कम हो गया है वर पक्ष वधु को भी वही सम्मान व वही स्वतंत्रता देने लगे हैं जो अपनी पुत्री को देते हैं, चाहे कपड़े पहनने की आजादी हो या विवाह के बाद अपने कैरियर संबंधी निर्णय वर्तमान में पुरुषों ने अपने वैवाहिक जीवन में जो भागीदारी देनी शुरू की है वह काबिले तारीफ है। बच्चों को संभालने का कार्य जहां पहले मां का ही माना जाता था वही पिता बच्चों को संभालने लगे हैं, मेहमानों के लिए भोजन परोसना हो या चाय बनाना हिचकिचाहते नहीं हैं, अर्थात् पुरुषों ने भी घर में मोर्चा संभालना शुरू कर दिया है।

विवाह स्त्री-पुरुष मिलन को एक सामाजिक व धार्मिक मान्यता है। विवाह में शारीरिक जुड़ाव के साथ मानसिक जुड़ाव भी जरूरी है परिवार में कुछ ना कुछ समस्याएं आती ही है। यदि हम अपनी माता, बहन, बुआ, मौसी, मामी आदि के जीवन को देखें तो महसूस होगा कि इन्होंने अपने जीवन में कितना संघर्ष किया है। किंतु इन्होंने कभी अपना परिवार नहीं छोड़ा, परंतु अब ऐसा क्या होने लगा है कि महिलाएं अपने घर से पलायन कर जाती हैं इस पलायन का जिम्मेदार चाहे स्त्री हो या पुरुष सही नहीं है हमें अपने बच्चों को समस्याओं से दो चार होना सिखाना होगा और उन्हें समझाना होगा कि कोई भी ऐसी समस्या नहीं है जिसका हल ना हो। स्त्री अपनी इच्छा को, समस्या को परेशानी को परिवार के लोगों के बीच रखें वार्तालाप करें ताकि समस्याओं का समाधान निकल सके।

स्त्री का अपने बच्चों को लेकर चले जाना दादा-दादी के लिए अपूरणीय क्षति होती है। वे पोते पोती की याद में घुटते रहते हैं और किसी से कुछ कह नहीं पाते। ऐसा ही कुछ पुरुष के साथ भी होता है पुरुष कभी जता नहीं पाता कि उसे स्त्री की कितनी आवश्यकता है वह भी एक ह्रदय रखता है उसे भी अपने बच्चों की याद आती है लेकिन कुछ कर नहीं पाता व विवश रहता है। इन सब में मरण होता है बच्चों का जो कि कोमल और मासूम ह्रदय वाले होते हैं बच्चों को माता-पिता दोनों का दुलार और संरक्षण मिलना चाहिए वह नहीं मिलता बच्चे केवल मां के ही नहीं होते वह पूरे परिवार के होते हैं । हम सिर्फ यह सोचकर चुप रहते हैं कि चलो ठीक है कम से कम तलाक तो नहीं लिया।

मैं, जानती हूं कि कुछ बुद्धिजीवी मेरी इस विचारधारा से सहमत नहीं होंगे किंतु सभी की अपनी जीवन शैली और विचारधारा होती है और मैं एक स्त्री होकर स्त्री के साथ-साथ पुरुष वर्ग के साथ भी हूँ। क्योंकि केवल स्त्री ही परिवार की जिम्मेदारियों को पूरा नहीं करती उसके साथ पुरुष भी बराबरी से अपने दायित्वों को निभाता है । सदैव पुरुष गलत नहीं होते। पुरुष वर्तमान समय में स्त्रियों के तथाकथित अधिकारों के बीच पिसते जा रहे हैं ।

कहते हैं 'एक नारी पढ़ी तो सात पीढ़ियां तरी' किंतु इस तरह पलायन करने से स्त्री स्वयं ही गुमनामी के अंधेरे में चली जाती है जो कि स्वयं स्त्री के लिए भी हानिकारक है।

मैं, इस लेख के माध्यम सेआप सभी से जानना चाहती हूं कि पति से अलग रहना क्या आधुनिकता की निशानी है या महिला सशक्तिकरण ?

दोस्तों, जीवन साथ चलने का नाम है, यह एक ही बार मिलता है इसे संकुचित होकर नहीं बल्कि खुलकर जिये और माध्यम बने दूसरों के जीवन में रंग भरने का। आप अकेले रहेंगे तब भी परेशानियां तो आएंगी ही तो क्यों ना साथ में रहा जाए, यह सफर हम सफर के साथ और भी सुहाना हो जाएगा...।

- रवीना तोंदवाल, बूंदी

दाल बाटी चूरमा : सैनिकों की भूख मिटाने वाली 1300 साल पुरानी बाटी, जो आज राजस्थानी थाली की शान है

राजस्थान शब्द सुनकर दिमाग में एक छवि उभरती है. रेगिस्तान, ऊंट, पारंपरिक परिधान, किले-हवेलियां और खाना। खाना बोले तो सबसे पहले ज़हन में दाल-बाटी-चूरमा ही आता है. ये राजस्थानी डिश उत्तर भारत में लोगों द्वारा खास पसंद की जाती है।

इस देसी डिश का देसी स्वाद दिलों-दिमाग में घुल जाता है. जैसा इसका स्वाद है वैसा ही है इसका इतिहास है। इसके शुरू होने की कहानी बड़ी ही दिलचस्प है। सैनिकों से शुरू होते हुए मुगल दरबार में इसकी चर्चा की कहानी दिलचस्प है।

1300 साल पहले भूखे सैनिकों का सहारा थी दाल बाटी : अपने आप में एक भरपूर खाना है दाल-बाटी-चूरमा. इसका जिक्र तो यात्री इब्नबतूता की पुस्तक में भी मिल जाता है। यात्री इब्नबतूता ने इस डिश का जिक्र कुछ ऐसे किया है कि सूरज की रौशनी में पके गेंहू से बनी बाटी. इस समय गेहूं, ज्वार, बाजरा और अन्य अनाज आम भोजन का हिस्सा थे।

बाटी अस्तित्व में कैसे आई ? : बाटी बिना नमक डाले गेंहू से बनती थी, जिसमें घी और ऊंट के दूध का इस्तेमाल किया जाता था इसका जिक्र सबसे पहले राजस्थान में मेवाड़ के संस्थापक बप्पा रावल के समय में मिलता है. यह बात 1300 साल पहले यानी 8वीं शताब्दी की है. अपना साम्राज्य स्थापित करने से पहले वो एक चारवाह योद्धा जनजाति थे. उन्हें मान मोरी से चित्तौड़ दहेज के रूप में मिला था। बाटी गुहिलाओं द्वारा युद्ध के समय खाया जाने वाला खाना था।

कहा जाता है कि भूखे सैनिक आटे के टुकड़े बनाकर गर्म रेत में दबा देते थे। जब वो वापस आते थे, तब तक वह गर्म रेत में अच्छी तरह से भुन चुके होते थे। इसके बाद वो इसमें घी डालकर खाते थे।

व्यापारियों का आगमन और दाल का जुड़ना : धीरे-धीरे इस डिश में चूरमा और पंचमेल दाल भी जुड़ गए। पुरातत्वों का मानना है कि अभी भी जमीनी स्तर पर लोग बाटी को घी, डालकर खाते थे जबकि ऊंच या संपन्न जाति के लोग इसके साथ दाल का इस्तेमाल करते थे।

बाटी के साथ दाल के कॉम्बिनेशन की कई कई कहानियां है. जैसे मेवाड़ में व्यापारियों के आकर बसने से इसकी शुरुआत और गुप्तकाल में पंचमेल दाल का शाही खाने के रूप में शामिल किया जाना।

गलती से बाटी में गिरा गन्ने का रस और बना चूरमा! : दाल की बात तो कर ली, अब चूरमा का जिक्र तो बनता ही है. इसके पीछे भी हाउस ऑफ मेवाड़ और गुहिला साम्राज्य ही है. प्रचलित कहानियों के अनुसार, एक युद्ध के दौरान एक बावर्ची ने गलती से गन्ने के रस को बाटी में डाला दिया था, इसके बाद चूरमा ईजाद हुआ। जबकि एक कहानी के अनुसार, गृहणियां बाटी को गुड या चीनी के पानी में डाल देती थी ताकि उनके पति जब खाने पर आये तो ये नरम और ताजा रहे।

इस तरह मेवाड़ से निकला सुपर टेस्टी खाना दाल बाटी चूरमा. समय के साथ अलग-अलग जगहों और समुदायों ने इसमें अपना फ्लेवर और रूप दिया है. इसमें कढ़ी और साग भी जुड़ गये।

रानी जोधा बाई संग पहुंचा मुगलों के बीच : इस डिश के मुगल दरबार तक पहुंचने की कहानी भी बड़ी जबरदस्त है। माना जाता है कि रानी जोधा बाई के जरिये ये डिश मुगल दरबार तक पहुंची। मुग़ल साम्राज्य के शाही शेफों ने इसे नए तरीके से बनाना शुरू किया और नाम दिया दाल-बाफला और खीच। इस तरह दाल-बाटी-चूरमा राजस्थान से मुगल साम्राज्य पहुंचा। बाटी और बाफले में एक ही फर्क है की बाटी कंडों/पर सेंकी जाती है और बाफले उबाल कर कंडों पर सेंके जाते हैं।

संरक्षक सदस्य

सं./116 श्री सीताराम कुमावत, केशव विहार, जयपुर
सं./117 श्री मातुराम कुमावत, पिलानी
सं./118 डॉ. संजय कुमावत, फुलेरा
सं./118 श्री रमेश चंद बड़ीवाल, फुलेरा

10 वर्षीय सदस्य

10/199 श्री दामोदर लाल, फुलेरा

5 वर्षीय सदस्य

5/54 श्री कैलाश कुमावत, फागी
5/55 तंवर कलर लैब
5/56 श्री भोमाराम, किानगढ़, रेनवाल
5/57 श्री सुभाष चन्द, पांचावाला, जयपुर
5/58 श्री महेन्द्र जालवाल
5/59 श्री आमोद मारवाल, सी-स्कीम, जयपुर
5/60 श्री गिर्राज कुमार बालोदिया, आदर्श नगर, जयपुर
5/61 श्री एल.एल. वर्मा, आनन्दपुरी, जयपुर
5/62 श्री हरिशंकर, झोटवाड़ा, जयपुर
5/63 श्री अमित वर्मा, निवारू रोड, जयपुर
5/64 श्री हरिश कुमावत, हवा सड़क, जयपुर
5/65 श्री राधेश्याम जौहरी, शिवपुरी, सांगानेर, जयपुर
5/66 श्री कैलाश कुमावत, सोडाला, जयपुर
5/67 श्री मुकेश कुमार झोटवाड़ा, जयपुर
5/68 श्री मोहनलाल, झोटवाड़ा, जयपुर
5/69 श्री महेन्द्र झोटवाड़ा, जयपुर
5/70 कृष्णा कलर लेब, झोटवाड़ा, जयपुर
5/71 श्री जुगल किशोर, सीकर
5/72 श्री लक्ष्मी कांत वर्मा (जेठीवाल), फुलेरा
5/73 श्री ओम प्रकाश कैक्ट्या, इन्द्राबाजार, जयपुर
5/74 राजेन्द्र कुमार खोवाल, सीकर रोड, जयपुर

युवा ही समाज का भविष्य, पर संस्कार न भूलें

आज समाज के अधिकांश युवा उच्च पढ़े-लिखे व्यक्ति हैं, वह इन्टरनेट क्रांति से जुड़े हुए हैं। लगभग सभी के पास एनराइड फोन है। ये युवा ऑनलाईन अधिक रहते हैं तथा अपनी आवश्यकता की वस्तुएँ ऑनलाईन ही मंगवा रहे हैं। युवाओं ने तकनीकी कोर्स B.Tech, M.Tech, IIT व व्यावसायिक कोर्स MBA, IIM तथा प्रोफेशनल कोर्स CA, CS किये हैं। इनके आधारपर वे देश-विदेश में अच्छे वेतन पर नौकरियां पाने में भी सफल रहे हैं। किन्तु इन्टरनेट का सीमित उपयोग ही लाभप्रद है।

पुरातन समय से समाज में कुछ संस्कार विद्यमान रहे, जिनके सहारे विपरीत परिस्थितियों में भी समाज के लोग अपना अस्तित्व बचाने में सफल रहे। उन्होंने इन्हें अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बना लिया था, जैसे—एक-दूसरे से मिलना, सुख-दु:ख बांटना, आपसी मदद, तीज त्यौहार मिलजुलकर मनाना, शादी-विवाह धार्मिक एवं अन्य खुशी के अवसर पर सम्मिलित होना, न्यूनतम आवश्यकता की वस्तुओं को ही घर में लाना, जल्दी उठना एवं रात्री को जल्दी सोना, पक्षियों को चुग्गा व पानी परीण्डे में डालना, प्रात: घूमने जाना, जल्दी स्नान करके पूजा पाठ करना, घर में उपलब्ध वस्तुओं का पहले उपयोग करना आदि। घर की स्त्रियों द्वारा जल्दी उठना, घर मे गाय-भैंस है तो उनके गोबर को उठाकर साफ सफाई करना एवं दूध दुहना। घर में स्थानीय व ऋतु अनुकूल सब्जियां बनाना एवं जो, बाजरा, मक्का, गेहूं की रोटियां चूल्हे पर सेकना। खेती बाड़ी होने पर खेत में काम करना। खाद्यान्न/अन्न को घर पर पीसना। पापड़ व अचार, घर पर बनाना। मसाले व चटनी सीलबट्टे पर पीसना। शादी-त्यौहार पर गीत गाना, माण्डने मांडना एवं भिन्न-भिन्न पकवान बनाना। गाय, कुत्ते व भिखारी को रोटी देना। कीड़ी-नगरा बनाकर चीटियों को डालना आदि।

पर क्या हमारे युवा इन संस्कारों को अपने दैनिक जीवन में अपना रहे हैं? शायद ना के बराबर। हमने सदियों से इन संस्कारों के बदौलत अपने व अपनों को बचाये रहे, इसी से आपसी रिश्तों में सुदृढ़ता आई। पर जब से टी.वी., वीडियो, इन्टरनेट, मोबाइल फोन आये तब से निजता को बढ़ावा मिलता गया। लोग स्वयं की मस्ती में मस्त हो गये व आपसदारी, रिश्तेदारी, सामाजिकता व त्यौहारों को मिलकर मनाने से दूर होते गये। शहरों में रहने वालों की स्थिति तो यह है कि पास वाले फ्लैट में कौन रह रहा है उससे भी परिचय व वार्तालाप नहीं होता। मिलने पर 'राम-राम' व 'नमस्ते' जैसा अभिवादन नदारद हो गया। हमारे बच्चे अब अपने रिश्तेदारों के आना जाना तो दूर उन्हें पहचानते तक नहीं हैं। इससे शादी के रिश्तों में दिक्कत आने लगी है।

इन सभी बिन्दुओं पर विचार करें तथा युवा कुछ समय अपनों के लिए भी निकालें, भारतीय परम्पराओं, रीति-रिवाजों, संस्कारों को भी अपनायें तो हमारी सामाजिक व्यवस्थाएं बनी रह पायेंगी। अन्यथा पाश्चात्य देशों की भाँती छिन्न-भिन्न हो जायेगी। जहाँ युवा होते ही बच्चों की दुनिया अलग हो जाती है व माता-पिता अलग-थलग। जब तकलीफ में होते हैं तो ऐसे में साथ, सहयोग व सम्बल देने को कोई नहीं होता। इससे युवा अवसाद में आने लगे हैं। हमें चाहिए सुख-दु:ख में अपनों का साथ एवं बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद। अत: अपनों से मिलिए व सुख-दु:ख को बांटिये। सोचिये, जो सही है, उसे अपनाइये।

कविता

पृष्ठ 5 से आगे... - हेमंत कुमावत

माँ भारती अमर है, अमरत्व की निशानी
ना मिट सकी किसी से, इस देश की कहानी

ये चांद और सूरज, जब से प्रकट हुए हैं
आकाश में अनेकों तारे विकट हुए हैं
इस देश का तभी से, वर्चस्व तेज कायम
जब से धरा पे सातों, सागर के तट हुए हैं
ये है असंख्य बरसों की सभ्यता पुरानी
ना मिट सकी किसी से, इस देश की कहानी

अस्तित्व को मिटाने, तूफान खूब आए
सदियों तलक हमीं पर वो घात थे लगाए
मंडरा रहे घनों के तम से न खौफ खाया
निज हौसले दिखाके, हमनें सदा भगाए
झेले हजार हमले, फिर भी न हार मानी
ना मिट सकी किसी से, इस देश की कहानी

हम सत्य के पुजारी, सत्काम ही किए हैं
इस विश्व को बचाने, विष घूंट भी पीए हैं
इस देश के सुतों ने, निज प्राण की तो छोड़ो,
जब भी पड़ी जरूरत, निज हाड़ भी दिए हैं
बनकर दधीचि रहते, तैयार देह दानी
ना मिट सकी किसी से, इस देश की कहानी

हम शांति के पथिक हैं सिद्धांत शून्य दाता
हम ही सकल जगत के, युग युग रहे विधाता
जब पाप सर चढ़ा तो, हमने उतार फेंका
हम मार्ग हैं दिखाते, अध्यात्म धर्म ज्ञाता
बूढ़ी कभी न होगी, ये संस्कार धानी
ना मिट सकी किसी से, इस देश की कहानी

हमने कभी किसी के, मन को नहीं दुखाया
वसुधै कुटुम्बकम का, नवगीत है सुनाया
हमनें कहीं किसी भी परदेश को न लूटा
जो भी यहाँ पे आया, अपना उसे बनाया
लेकिन जरा रखो अब, थोड़ी तो सावधानी
ना मिट सकी किसी से, इस देश की कहानी

जब तक रहे दिवाकर, आकाश चांद तारे
इसके चरण कमल को, सागर सदा पखारे
हिम तुंग का शिखर है, शोभायमान जब तक
तब तक रहे समुन्नत, भारत के भाग्य न्यारे
जीवित सदा रहेगी, अपनी ये राजधानी
ना मिट सकी किसी से, इस देश की कहानी

कमजोर ना समझना, हम युद्ध के धुरंधर
ये वीर भूमि भारत, धड़ भी लड़े बिना सर
चाहे भले समूची, दुनिया विजय की उसने
पर हार के गया था, पोरस से वो सिकंदर
सच तो यही है हेमू, इतिहास की जुबानी
ना मिट सकी किसी से, इस देश की कहानी

भ्रम जो कोरोना ने तोड़े, सबक जो कोरोना ने दिए

आधुनिक मानव इतिहास की सबसे बड़ी विभिषिकाओं में से एक **'कोरोना महामारी'** ने पूरे विश्व को अपनी चपेट में लिया। वे देश जो अपने बड़े एवं अत्याधुनिक अस्पतालों तथा बेहतरीन सामाजिक सुरक्षा पर इतराते थे आज कोरोना की पीड़ा से सबसे ज्यादा त्रस्त, लाचार एवं पस्त दिखाई दिये। कोरोना वायरस के आगे पूरी दुनिया लाचार हो गई। कोरोना वायरस ने वैश्विक अर्थव्यवस्था और पूरी मानव जाति को झकझौर कर रख दिया। सभी देश इस महामारी के आगे बौने साबित हो गये। कल-कारखाने, व्यवसायिक संस्थान बंद हो गये। मजदूर भूखे-प्यासे अपने घरों की ओर लौटने को मजबूर हो गये। कोरोना महामारी ने यह साबित कर दिया कि हमारा अस्तित्व सूक्ष्मजीवों द्वारा भी समाप्त हो सकता है।

कोरोना ने मानव जाति को कई सबक दिये हैं देखना हैं कि इंसान इससे सीखता है या नहीं? पिछले दो दशकों में सॉर्स, मर्स, इबोला, निपाह और अब कोरोना वायरस ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिला कर रख दिया है। प्रतीत होता है कि प्रकृति री-सेट का बटन दबा रही है। वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में भारी गिरावट हुई है। वायरस का यह प्रकोप और पैमाना शायद हमारे जीवनकाल में अपनी तरह का पहला है। सीमाओं को सील करके एक महामारी को नियंत्रित किया जा सकता है परन्तु प्रकृति की कोई सीमा नहीं है। हमें याद रखना चाहिए कि प्रकृति ने अपनी गोद में बहुत कुछ छिपा रखा है। प्रकृति से अगर छेडछाड की तो गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। कोरोना वायरस एक संकेत है कि भविष्य में इससे भी बड़े लॉकडाउन के लिए हमें तैयार रहना पड़ सकता है। प्रकृति हमें जगाने के लिए पुकार रही है- हमारे जीने के तरीके के खिलाफ़ हमारी कार्यशैली के खिलाफ।

कल्पना कीजिए, यदि हमारी जमीनें खाद्यान्न का उत्पादन करने में विफ्ल रहती हैं, भू-जल के भंडार सूख जाते हैं, नदियाँ प्रदूषित और बेजान हो जाती है, जंगल बर्बाद हो जाते हैं, गर्मी से बचने के लिए हमें महीनों तक अपने घरों में कैद रहना पड़ सकता है। कोई रास्ता नहीं है कि हम उत्सर्जन कम करने के लिए बर्फ के पिघलने को धीमा कर दें। अगर हम वन्य जीवों और उनके स्वछन्द आवास के अधिकारों का सम्मान नहीं करेंगे, उनकी रक्षा नहीं करेंगे तो कोराना जैसी अनेक महामारियाँ आयेंगी। हमें कोरोना के दंश से सबक लेने की जरूरत है हमें अब सचेत हो जाना चाहिए कि प्रकृति से खिलवाड़ बहुत हो चुका, वरना वह दिन दूर नहीं जब इंसान भी इस पृथ्वी से विलुप्त हो जायेगा जैसे कभी डायनासोर और पशु-पक्षियों की अनेक प्रजातियाँ हो गई। कोरोना एक इशारा है, उस ईश्वर व प्रकृति का जिसने इस दुनिया का सृजन किया। किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था कि हमें अपने जीवन काल में ऐसा देखना पड़ेगा। यह किसी दु:स्वप्न से कम नहीं था, पर एक कटु सच्चाई है, जिसका सामना हमें न चाहते हुए भी करना पड़ा।

वर्तमान में आधुनिकता की अंधी दौड में हम अपने संस्कारों, रहन-सहन व पूर्वजों द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों, जीवन शैली को छोड़ चुके हैं जो कि मानव प्रजाति को विनाश की ओर ले जा रहा है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में हमने पाश्चात्य संस्कृति को अपनाते हुए पश्चिमी देशों के रहन-सहन, खानपान व संस्कृति को अपनाया है जो मानव प्रजाति के लिए घातक है।

कोरोना महामारी ने साबित कर दिया कि यदि व्यक्ति की इम्यिूनिटी पावर मजबूत है तो उस व्यक्ति पर वायरस का असर नहीं हुआ है, पूरे विश्व के वैज्ञानिकों एवं डॉक्टरों द्वारा कोरोना महामारी से बचने हेतु इम्यूनिटी पावर बढ़ाने पर बल दिया। हमारे पूर्वजो द्वारा दिये गये संस्कारों, खानपान तथा उनके दिशा-निर्देशों को हम जीवन में समाहित करते हैं तो हमें किसी दवा की आवश्यकता नहीं है। हमारे पूर्वजों द्वारा सदियों से सात्विक आहार, योग, व्यायाम, प्रात: भ्रमण एवं शुद्ध जीवनशैली को अपनाया था इसीलिए उनकी इम्यिूनिटी पावर सदैव मजबूत रही। हम सात्विक भोजन एवं योग-प्रणायाम को अपनी जीवन शैली में अपनाकर इम्यिूनिटी पावर को बढ़ा सकते हैं जिससे भविष्य में आने वाली महामारियों से बचा जा सके। हमारा उत्तरदायित्व है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को भी इम्यिूनिटी बढ़ाने के लिए प्रेरित करे।

भविष्य में हमें ऐसी किसी आपदा का सामना नहीं करना पड़े इसके लिए हम सभी को बहुत ही संजीदगी से विचार करना पड़ेगा, ऐसी योजना तैयार करनी पड़ेगी जिससे नागरिकों के लिए कानूनों का प्रावधान हो, ताकि कोई भी व्यक्ति व संस्था प्रकृति के मौलिक नियमों की अवहेलना न करे। इसके लिए व्यापक स्तर पर अभियान शुरू किया जाए जिसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी हो, प्रत्येक नागरिक को इस अभियान में शामिल करते हुए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगायें जायें और इन पेड़ों को गोद लेने का प्रावधान भी हो जिसमें नागरिक प्रतिज्ञा करें कि वे गोद लिए गये पेड़ों का ध्यान रखेंगे, उसकी देखभाल करेंगे। सरकारें मिलकर एक ऐसा माहौल का निर्माण करे जिससे आज की युवा पीढ़ी को ऐसा करने की प्रेरणा मिले। जिस तरह लोग स्वच्छता के प्रति जागरूक हो रहे हैं उसी तरह प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति भी जागरूक बनें। पर्यावरण प्रदूषित न हो इसके लिए भी गहनता से विचार करना तथा कठोर एवं सकारात्मक निर्णय लेने होंगे, ताकि आज जो स्थिति कोरोना वायरस के चलते आई है, कल किसी अन्य कारण से पैदा न पैदा हो। हमें समय रहते समझना होगा और समझाना होगा कि कोरोना हम सभी को जागृत करने आया है और मानव जाति को यह बताने आया है कि हम, अभी नहीं बदले तो आगे फिर सुधरने का समय कभी नहीं आयेगा। **- जयसिंह गुडीवाल, 9461343432**

कोरोना से थोड़ी राहत मिली तो लोगों ने फेस मास्क लगानाछोड़ दिया। भारत के दक्षिणी राज्यों व महाराष्ट्र में फिर से कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ गयी है। अत: हम सतर्क रहे व मास्क पहनें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत, बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

23 जनवरी श्री फूलचन्द जी पुत्र स्व. श्री लालचन्द जी देवतवाल, शास्त्री नगर, जयपुर
23 जनवरी श्रीमती फूला देवी पत्नी लालराम जालवाल, खातीपुरा रोड, जयपुर
26 जनवरी श्रीमती छिगनी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री प्रभुदयाल किरोडीवाल, जयपुर
26 जनवरी श्री राजेन्द्र (राजूजी) झूनझूनोदिया, इमलीवालाफाटक, जयपुर
29 जनवरी श्रीमती संजू कुमावत धर्मपत्नीश्री रमेश भौरोदिया, जयपुर
30 जनवरी श्रीराम गोपाल जी धुंधारिया (पूर्व पार्षद) नीदड़, जयपुर
30 जनवरी श्री जीवनराम जी पुत्र स्व. श्री नानकराम जी खटोड़, अजमेर रोड, जयपुर
30 जनवरी श्री ग्गाराम भाटीवाल, झुंझुनूं
31 जनवरी श्री मंगल चन्द दम्बीवाल धोली मण्डी, चौमूं, जयपुर
31 जनवरी श्रीमती मंजू कुमावत भौंरोदिया मंदिर वाली गली, जोड़ला, जयपुर
31 जनवरी श्रीमती सूरज देवी धर्मपत्नी स्व. श्री भौंरीलाल जी खोरानिया, जयपुर
1 फरवरी श्री मोहनलाल जी खोवाल पुत्र सव. री दामोदर जी गोविन्दपुरा, जयपुर
2 फरवरी श्रीमती मगद देवी धर्मपत्नी श्री जयराम अनावडिया, अजमेर
2 फरवरी श्री जगदीश नारायण भेडीवाल, मानसरोवर, जयपुर
2 फरवरी श्री छेलबिहारी वर्मा (जेठीवाल) प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर
2 फरवरी श्री नाथूलाल जी धुंधारिया (रिटायर्ड आरएसईबी), मानसरोवर, जयपुर
3 फरवरी श्री किशनलाल पारमवाल, मदनगंज-किशनगढ़, अजमेर
4 फरवरी श्रीमती राज देवी धर्मपत्नी स्व. श्री नवल किशोर कैक्ट्या, जयपुर
4 फरवरी श्री श्याम लाल राजोरिया, गोविन्दगढ़, जयपुर
5 फरवरी श्रीमती संतोष देवी धर्मपत्नी श्री गोपाललाल सिरस्वा, जयपुर
5 फरवरी श्रीमती दंगा देवी धर्मपत्नी स्व. श्री नाथूलाल मारोठिया, जयपुर
6 फरवरी श्रीमती सत्यवती देवी धर्मपत्नी स्व. श्री ओमप्रकाश राहोरिया, ब्यावर
7 फरवरी श्रीमती संतोष देवी धर्मपत्नी गोपाल लल सिरस्वा, सांगानेर, जयपुर
8 फरवरी श्री मुकेश चन्द पीलोदिया , अजमेर
8 फरवरी श्री रघुनाथ अजमेरा, सांगानेर,जयपुर
9 फरवरी श्री बालूराम नरानिया, पंचदेवला
10 फरवरी श्री बालूराम नरानिया, पंचदेवला
11 फरवरी श्रीमती रत्नी देवी कुमावत पत्नी पूरण जी घोड़ेला, सांगानेर, जयपुर

शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क सूत्र	स्थान
				स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नज़्बर	
Diploma in textile	Study	31.12.98	5'4''	तूंदवाल	जेठीवाल	कुसुज़्बीवाल	नारानिया	9785525434	कोटा
MCA	Compotition Exams	25.9.95	5'2''	बडीवाल	बबेरीवाल	कुदीवाल	मारवाल	9887149797	जयपुर
MBA	Manager in hospital	18.3.86	5'2''	गोठवाल	दोबलदिया	छापनवाल	किरोड़ीवाल	9950489065	भीलवाड़ा
B.Sc. BEd.	Govt. job.	18.10.87	5'3''	मोरवाल	भोड़ीवाल	तूंदवाल	जलान्दरा	941367490	झुंझुनूं
B.Com.	Accountant Mumbai	27.7.93	5'1''	देवतवाल	नागा	किरोड़ीवाल	काज़्या	9323951701	पुष्कर
PGDM	Tech Mahindra p. Ltd.	1.8.95	5'3''	सुखड़ीवाल	सारड़ीवाल	उदयवाल	नमीवाल	9001090778	ज़्यावर
M.A. Sanskrit		12.12.98	5'2''	किरोड़ीवाल	धुंारिया	मालिया	घोड़ेला	9413042373	पुष्कर
MA, B.Ed. MBA		7.12.92	5'7''	मुन्डनिया	गेदर	मेवर	लराना	914668511	पींसागन
B.Sc.BPED		8.12.95	5'3''	मोरवाल	नीवाल	बरोदिया	डूंगरवाल	9001783621	उदयपुर
B.Tech. (Elect)		9.9.97	5'0''	केकटिया	देवतवाल	बनवाडिया	नगरिया	9462679521	उदयपुर
M.Com.,CA	SKS Business	25.5.91	5'1''	दौराया	जलान्दरा	राहोरिया	अजमेरा	9314478256	
M.Com.	Govt employees	27.11.92	5'5''	सिरस्वा	सोकल	बैरा	अजमेरा	9610729422	जयपुर
M.Com.(ABST)	Accontant District Council	2.8.93	5'5''	जकरा	चौरासिया	सिलवाड़िया	दौराया	8239145420	प्रतापगढ़
M.A.	Govt Teacher	23.7.92	5'4''		मालिया	दज़्बीवाल	सारड़ीवाल	8290019097	चिज़ौड़गढ़
M.A., B.Ed.		5.8.92	5'4''	मालिया	घोड़ेला	नागोरा	राहोरिया	7737179711	पुष्कर
MVA	Graphic Designer	20.12.91	5'2''	खरनिया	गमेरिया	धमुनिया	किरोड़ीवाल	9414041838	जयपुर

शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क सूत्र	स्थान
				स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नज़्बर	
M.A. B.Ed PGDIT	Executive in cosmo	21.8.93	5'4''	तूंदवाल	सारड़ीवाल	घोड़ेला	मामोड़िया	7849922991	मनोहरपुर
M.Sc., B.Ed.	Govt Teacher 2nd grade	14.09.90	5'11''	खोरानिया	तुनगरिया	धुंधारिया	खोवाल	9413563567	झोटवाड़ा
B.Sc.MBA(Divorced).	Jaipur Dairy saras	30.1.87	5'6''	खोवाल	मामोडिया	मारोठिया	बालोदिया	9024347070	जयपुर
M.A.	Purches Manager	9.8.88	5'11''	मनेठिया	धीजपुरिया	लखेसरिया	बारावाल	9829248068	जयपुर
B.Com.(Hon.)	Sales Executive	25.5.92	5'5''	सिंगेठिया	कारगवाल	मनेठिया	भौंरोदिया	9024951236	जयपुर
M.Com.	PHED Jaipur	11.3.90	5'7''	जलान्दरा	भात्रा	मारोठिया	कुदाल	9829344575	जयपुर
MBA	HR Manager	15.3.95	6'0''	पीपलोदा	रेनीवाल	रमीना	रेड	7649014776	देवास
B.E. (civil)M.tech.	Govt contractore Raj.& MP	10.6.92	6'0''	काटीवाल	घोड़ेला	धुंआरी	गठेलवाल	8871101522	सीकर
BA	Bussniess	4.11.95	5'4''	धनेरिया	दज़्बीवाल	मारवाल	जलान्दरा	9252206807	अजमेर
B.Com. Diploma electric.	Study	20.11.99	5'8''	कांटीवाल	घोड़ेला	धुवारी	घडेलवाल	8871101522	पलसाना
B.A.	Hotal	8.2.93	5'8''	बिंवाल	घोड़ेला	कारगवाल	जायलवाल	9166471758	गुलरात
MA,Diploma computer	officer (34800 PM)	28.4.93	5'11''	कारगवाल	जलिन्द्रा	किरोड़ीवाल	घोड़ेला	9414776717	सीकर
BA (II Year)	Student	14.8.97	5'11''	कारगवाल	नेदका	बासनीवाल	सिंगाठिया	9745082417	जयपुर
M.Sc. Yoga	स्वयं का योगा सेंटर सी-स्कीम	25.8.94	5'6''	खोवाल	काज़्या	भोड़ीवाल	घासोलिया	9413380816	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. अच्छे रिश्तों के लिए दादी, नानी का गोत्र छोड़ा भी जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए श्री हेमचन्द खड़गटा मो.नं. 9351682036 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम **''कुमावत इंडिया पत्रिका''**

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्री:- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika@gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

विनम्र निवेदन

हमारे पूर्वज जमीन, जायदाद, सोना, चांदी आदि अमूल्य सम्पत्ति छोड़कर स्वर्ग चले जाते हैं। हम व्यस्तता के कारण उनकी चिरस्मृति बनाये रखने में असमर्थ हो जाते हैं। कुमावत इण्डिया पत्रिका समाज बन्धु 4000 रु. शुल्क जमा कराकर अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी) की पुण्य तिथि फोटो सहित 10 वर्ष तक 1/8 पेज पर मल्टीकलर में प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

[redacted]

तीन वर्षीय सदस्य अक्टूबर-जनवरी में क्र.सं. 1 से 292 तक की सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें। सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

[redacted]

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

जयपुर शहर व्यवसाय डाइरेक्ट्री का प्रकाशन शीघ्र

पत्रिका शीघ्र ही समाज की एक बहुउपयोगी **व्यवसाय डाइरेक्ट्री** का प्रकाशन करने जा रही है। यह डाइरेक्ट्री कोरोना महामारी के कारण लेट हो गई है। इसमें जयपुर नगर निगम क्षेत्र के व्यापारियों की दुकानों/संस्थानों/प्रोफेशनल्स का नाम, पता, फोन/मो. नं. आदि का एरिया वाईज प्रकाशन मार्च 2021 में किया जावेगा। इस प्रकाशन के प्रधान सम्पादक श्री हेमचन्द खड़गटा होंगे, समाज के व्यापारियों, उद्योगपतियों, प्रोफेशनल्स एवं सेवाप्रदाताओं से अनुरोध है कि वे अपने संस्थानों का विवरण एवं विज्ञापन श्री खड़गटा को देकर सहयोग करें।

[redacted]

साईज	दर रुपए	साईज	दर रुपए
विजिटिंग कार्ड	400/-	1/6	800/-
1/4	1000/-	1/2	1800/-
1 पेज (अन्दर)	3000/-	कवर पेज 2	4000/-
कवर पेज 3	5000/-	कवर पेज 4	10000/-

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीयनगर**-श्रीचन्द्रप्रकाश अजमेरा मो. 9928088815
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-विशाल कम्प्यूटर महेश नगर फाटक, मो. 9664386269

ब्यावर-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493

दिल्ली-श्रीराधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580

फुलेरा-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास

नोट : अन्य समाज बन्धु स्वेच्छा से यह सेवा देना चाहें तो कार्यालय से सम्पर्क करें।

राजसिंह कुमावत (रेलवे) पुरस्कृत

राजसिंह कुमावत पुत्र श्री कृष्ण गोपाल गैदर हाल निवासी गंगा सहाय कॉलोनी, वैशाली नगर जयपुर को क्षेत्रीय स्तर पर 65वें रेल सप्ताह समारोह में 22 जनवरी 2021 को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रशस्ति पत्र व 3000 रुपये का नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। आपको व आपकी कोराना वारियर्स टीम को 15 अगस्त, 2020 को 25 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। आपको सम्मानित किये जाने पर '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से बधाई।

मौसम मेरावण्डिया सम्मानित

72वें गणतंत्र दिवस पर नीमच जिले के अंतर्गत नदी पुनर्जीवन कार्य मे उत्कृष्ट कार्य करने पर मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री महोदय श्रीओमप्रकाश जी सकलेचा व जिलाधीश महोदय जितेंद्र सिंह राजे की उपस्थिति में साँवेर निवासी इंजीनियर श्री मौसम जी मेरावण्डिया को सम्मानित किया गया, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

हार्दिक शुभकामनाएं

प्रशान्त म्यूजिक क्लोसज, प्रताप नगर, जयपुर की वेबसाईट का दिनांक 14 फरवरी, 2021 को विमोचन किए जाने पर संचालक प्रशान्त अजमेरा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

शुभेच्छु
समस्त अजमेरा परिवार

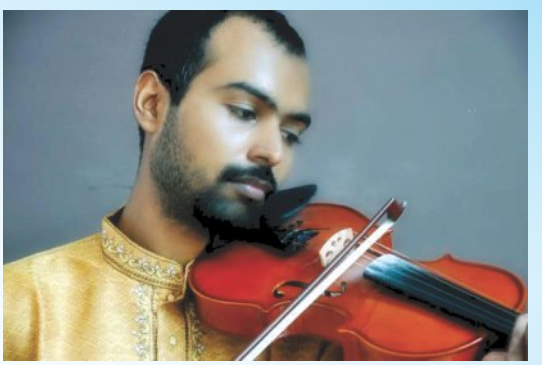

प्रशान्त अजमेरा
M.B.A.(HR), M.A.(Music)

PMC

प्रशान्त म्यूजिक क्लासेज

विज्ञापन

70/42, सेन्ट जोसेफ स्कूल के सामने, श्योपुर रोड, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर मो. 9461684073

ई मेल : ajmeraprashant@yahoo.com वेबसाईट http://prashantmusic.com

श्रद्धांजलि

स्व. 13.02.2019

श्रीमती सम्पत्ती देवी

द्वितीय पुण्यतिथि 13 फरवरी 2021

हम सब परिवारजन सजल नयनों में
सहृदय श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

पति : चन्द्र प्रकाश वर्मा
पुत्र-पुत्रवधु : मिथलेश-डॉ. प्रिया, योगेश-प्रतिभा
पुत्री-दामाद: डॉ. चित्रा-राजकिशोर
पौत्र-पौत्री : आदित्य, कार्तिका, मेध्या
दोहिती : मुकुन्दा एवं
समस्त खड़गटा (कुमावत) परिवार।

25, जय जवान कॉलोनी, स्कीम नं. 3, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-18
मो. : 8905327271, 9829266078

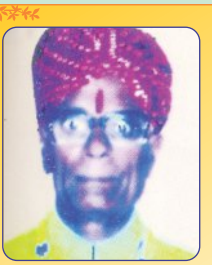

स्व. श्री नाथूलाल जी कुमावत
(स्वर्गवास 25.02.2005)
16वीं पुण्यतिथि
25.02.2021

स्व. श्रीमती केसर देवी कुमावत
(स्वर्गवास 26.08.2014)
17वीं पुण्यतिथि
26.08.2021

हम सब परिवारजन सजल नयनों में
सहृदय श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

पुत्र-पुत्रवधु : रूपचन्द-पार्वती, राम प्रकाश-सुनिता, राजकुमार-उमा, जयसिंह-कौशल्या, सत्यप्रकाश-शकुन्तला, पुत्री-पुत्री दामाद : श्रीमती प्रकाश-स्व. श्री नेकचन्द जी मण्डावरा, श्रीमती विद्या-स्व. श्री प्रहलाद जी मारोठिया, श्रीमती मंजू-कजोड़ जी देवतवाल, पौत्र-पौत्र वधु : महेश-शलिनी, गीतेश-हर्षा, नरेश-डॉ. हेमा, देवेश-योगिता, आशीष-प्रियंका एवं रोहन पाल सिंह, पौत्री-पौत्री दामाद : रेनू-दिलीप जी, सोमा-सुधीर जी, अरुणा (टीना) चन्द्रप्रकाश जी, सोनिया-योगेश जी, मोनिका-चन्द्रशेखर जी रुबिया-विजेन्द्र जी, श्रृष्टि-सुमित जी एवं वापिका सिंह

एवं समस्त मारवाल (टींकीवाले) परिवार

433 ए, सूर्य नगर, गोपालपुरा, बाईपास, जयपुर

श्रद्धांजलि

स्व. 19 फरवरी, 2020

प्रथम पुण्य तिथि 19 फरवरी 2021

श्रीमती रेखा कुमावत

(धर्मपत्नी श्री सुभाष रेवाडिया) का
अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

रामनारायण बबेरीवाल (पिता)
नेमीचन्द (ताऊजी), चिरंजीलाल, प्रेमचन्द (चाचा)
दुर्गालाल, राजेन्द्र कुमार, नन्द किशोर, मालचन्द, विष्णु,
विजय (भाई) अजय, अमर, यशांक (भतीजे)
समस्त बबेरीवाल परिवार

लक्ष्मी निवास खातीपुरा की बाढ़, ढाणी कुमावतान, डिग्गी रोड, सांगानेर जयपुर

श्रद्धांजलि

प्रथम पुण्य तिथि 17 फरवरी 2021

श्री गोपाल सिंह जी नन्दीवाल

(सेवानिवृत्त चीफ टाउन प्लान (राज. सरकार))

हम सब परिवारजन सजल नयनों में
सहृदय श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

पत्नी : मनोरमा देवी, पुत्र-पुत्रवधू : भंवरसिंह (9530028099) - स्वर्णलता, उदयसिंह (9784029955)- सुमन, उम्मेदसिंह (9887556760)- सुनीता
पुत्र वधू : शशि-धर्मपत्नी स्व. श्री लोकेश नन्दीवाल
पुत्री-दामाद : वेनू- विजय सिंह एवं समस्त नन्दीवाल (कुमावत) परिवार

निवास: 542, उदयपथ, विवेक विहार, श्याम नगर जयपुर

श्रद्धांजलि

स्व. 21.02.2015
छठी पुण्यतिथि
21.02.2021
स्व. श्री रामदयाल जी (फोरमेन)

स्व. 15.12.2003
17वीं पुण्यतिथि
15.12.2020
स्व. श्रीमती विनिता देवी

हम सब परिवारजन सजल नयनों से सहृदय श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
पुत्र - पुत्रवधु : कैलाश - मंजू भौरोंदिया, 9928769350
शंकर - सीमा भौरोंदिया, 9521826359
पौत्र - पौत्रवधु : मुदित - यामिनी
पौत्र : क्षितिज (सन्नी), पौत्री : हर्षिता पड़पौत्र : शिनोय
पुत्री - दामाद : पुष्पा - हेमचन्द खड़गटा, सावित्री - रामप्रकाश खोराणिया
शकुन्तला - श्याम सुन्दर राजोरिया, सुशीला - सुरेन्द्र कुलचाणियां,
उषा - कुन्दन कण्डेरीवाल, निशा - विजय जालवाल (इन्दौर)

:: प्रतिष्ठान ::
एस.एस. इलेक्ट्रोनिक्स
पुलिस थाने के पास, झोटवाड़ा, जयपुर - 302012
निवास स्थान : 101, बालाजी विहार - 17, निवारू लिंक रोड़, गोविन्दपुरा कालवाड़ रोड़, जयपुर - 302012

स्व. 20.02.2016

पंचम पुण्यतिथि
20.02.2021

स्व. श्रीमती धन्नी देवी खोवाल

धर्मपत्नी स्व. श्री कालूराम जी खोवाल

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
पुत्र - पुत्रवधु : प्रहलाद - रूक्मणी, राजेन्द्र - मीरा,
राजेन्द्र - शकुन्तला, फर्नीश - कोयल
पुत्री - दामाद : योजन - गोपाल लाल, चन्द्रकला - कैलाश चन्द

ई - 704, लालकोठी स्कीम, जयपुर

स्व. 22.02.2013
8वीं पुण्यतिथि
22.02.2021
स्व. श्री गुलाबचन्द कारगवाल

स्व. 10.11.2008
13वीं पुण्यतिथि
10.11.2021
स्व. श्रीमती लादी देवी

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
पुत्र - पुत्रवधु : रूप सिंह - शारदा, उमेशचन्द - उर्मिला
पुत्री - दामाद : विमला - विजय मण्डावरा, उमा - सुशील आसीवाल
पौत्र - पौत्री : गर्वित, देवांशी, हर्षिता, मिष्ठी एवं कारगवाल परिवार

:: कार्यालय एवं निवास :: **रूपन आर्ट्स** जयपुर । दिल्ली । नेपाल
ई - 544, लालकोठी स्कीम, ज्योति नगर पुलिस थाने के सामने, जयपुर - 302015
फोन : 0141-2741727, मो. 9314502407,9314502964

स्व. 18.02.2013

8वीं पुण्यतिथि
18.02.2021

स्व. श्रीमती निर्मल अजमेरा

धर्मपत्नी चन्द्रप्रकाश अजमेरा

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
पुत्र - पुत्रवधु :
गौरव अजमेरा - मीनू अजमेरा
पुत्री - दामाद : उर्वशी - राजेन्द्र बालोदिया, दोहिता : आकाश
पौत्री : किशिका, किन्जल एवं समस्त परिवारजन एवं मित्रमण्डल

निवास : डी-219, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9829488824

स्व. 04.03.2016

पंचम पुण्यतिथि
04.03.2021

स्व. श्री श्याम सिंह खड़गटा

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
धर्मपत्नी : सम्पती देवी घोड़ेला
पुत्र - पुत्रवधु : नीता जलान्धरा - अशोक खड़गटा, 7891861212
रीना कैक्ट्या - अनील खड़गटा, 8560838757
पुत्री - दामाद : नीतू खड़गटा - गोविन्द सिंघरा, झोटवाड़ा
पौत्र : भरत, अंश खड़गटा
निवासी : खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर - 302004

:: प्रतिष्ठान :: *Fourteen Flora India Business Pvt. Ltd., Jaipur-04*
Green Carbon , Jaipur
Nozomi Inst. of Japanese Language, Jaipur

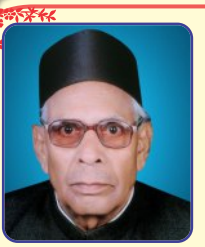

स्व. श्री नानूराम जी जलान्धरा

की 8वीं पुण्यतिथि
28 फरवरी 2021

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
धर्मपत्नी : स्व श्रीमती रामप्यारी देवी
पुत्र - पुत्रवधु : ओमप्रकाश - लक्ष्मी, ताराचन्द - भगवति, मोहन लाल - ऊषा, दामोदर लाल - संतोष, महेश - सुनीता, महेन्द्र - सुनीता, ईश्वर - कृष्णा, प्रभूनारायण - पुष्पा
पुत्री - दामाद : रामरखी - सोहनलाल माचीवाल, सुशीला - रमेशचन्द भौरोंदिया, मीरा - कैलाश चन्द खाटूवाल
पौत्र-पौत्रवधु : जितेन्द्र - हेमा, दीपक - चन्द्रकला, राजेश - विमलेश, प्रमोद - डिम्पल, पंकज - कविशा, संजय - दिव्या, मनोज, विनोद, राहुल, हिमांशु, अनिरूद्ध, मृणाल, यश, तेजस
पौत्री - दामाद : इन्दू - मुकेश धुंधारिया, नीलू - नरेन्द्र बारवाल, दीपिका - नरेश सिरोहिया, अंजली - भानू खोराणिया काजल, टीशा प्रपौत्र/प्रपौत्री : हर्ष, निखिल, सारांश, पूर्विक, डुग्गू, रूह

निवास : 190 ए शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर - 302012 • मोबाईल : 9828118789, 9509344684
फर्म : मै. महेशचन्द नानूराम, शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर

हार्दिक बधाई

हमारे ट्रस्ट के फाउण्डर अध्यक्ष

श्री हेमचन्द खड़गटा द्वारा लिखित, सम्पादित एवं प्रकाशित

'हेमचन्द कल से आज'

के विमोचन 21 फरवरी 2021

श्री श्री 1008 श्री महन्त रामानन्द दास

(श्री दादू धाम, भैराणा (बिचून-फुलेरा)

के कर कमलों द्वारा किया गया।

कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट

चेतन कुमावत (धुंधारिया)
उपाध्यक्ष

कस्तूरमल कुमावत
सचिव

लालचन्द धुंधारिया
कोषाध्यक्ष

ट्रस्टी : रेखा सिंह बैथाड़िया, निकिता राजोरिया, सतीश खड़गटा, शैलेन्द्र खड़गटा, मोहित धुंधारिया

85, अशोक विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302018
रजि. कार्यालय-2806, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

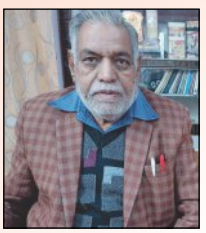

हमारे प्रिय श्री हेमचन्द जी खड़गटा द्वारा लिखित, सम्पादित एवं प्रकाशित

'हेमचन्द कल से आज'

के विमोचन पर **हार्दिक बधाई** एवं **शुभकामनाएं**

कैलाश-मंजू भैंरोदिया
शंकर-सीमा भौंरोदिया
एवं भौंरोदिया परिवार
एस.एस. इलेक्ट्रोनिक्स
पुलिस थाने के सामने,
झोटवाड़ा, जयपुर

रूपनारायण मारवाल
पुष्पेन्द्र मारवाल
एवं समस्त मारवाल
परिवार
डी 35, गोविन्दपुरी,
जयपुर

ओमप्रकाश कैकटिया
राजेश कैकटिया
अजय कैकटिया
एवं कैकटिया परिवार
फर्म : **कृष्णा कलैक्शन**
(होजरी, रेडीमेड कपड़े आदि के विक्रेता)
खजाने वालों का रास्ता, जयपुर

कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित विशेषांक – 2021 के प्रकाशन पर

'हेमचन्द कल से आज'

हार्दिक शुभकामनाएें

प्रभाती – नारायण प्रसाद चेजारा (दम्बीवाल) | पूनम – महेश कुमार चेजारा | शिवांश चेजारा | सिया चेजारा

FARM:

• SANJU ELECTRIC STORE SANITARY & HARDWARE

Khariwad, Nani Daman

MANOJ STEEL & PIPES

Khariwad, Opp. Sagar Samrat, M.G. Road, Nani Daman
• Ph.: 0260-2250478, 2254895 •Mob.: 9974095478, 9898276478

• MANOJ MARBLE

Plot No. 644, H.No. 841/3-C, Bhenslore Char Rasta,
Nani Daman 396210 • Mob.: 9974095478, 9898276478

MOHAN MARRIAGE GARDEN

Palsana Road, Khandela (Sikar)
Mob : 9974095478

Smt. Sulochana R Varma
Director

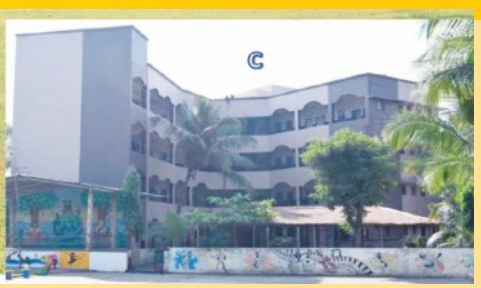

MAROTHIA ENGLISH MEDIUM SCHOOL

STAD FAST PAPER MILL ROAD, NAVI NAGARI, DUNGRA, VAPI (GUJ.)- 396191
Phone No. 0260-6541115

प्रेषिति

JYOTI VIDYAPEETH

Ramesh Chand M. Varma
(MAROTHIA) VAPI-(GUJ.)

BY PASS CIRCLE, ISLAMPUR ROAD, BAGAR,
JHUNJHUNU -333023 (Raj.)Phone No. 0159-2222151

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक : हेमचन्द्र कुमावत, प्रकाशक
कुमावत प्रगति ट्रस्ट, म.न. 2806, खड़ाटा भवन,
मोती डूंगरी, जयपुर-302004